

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

स्वरा भास्कर को बाबरी की जगह राम मंदिर बनने का दुख मुस्लिम दोस्तों से माफी मांगी



मुंबई, एजेंसी। एक्टर स्वरा भास्कर ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि विवाद पर फैसला सुनाया था तब उन्हें हिंदू होने के नाते बहुत शर्मिंदगी महसूस हुई थी।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने फैसले के आने के तुरंत बाद आमिर खान, शाहरुख खान और सलमान खान समेत अपने सभी मुस्लिम दोस्तों से माफी मांगी थी।

स्वरा भास्कर का पूरा बयान: राम जन्मभूमि विवाद के बारे में बात करते हुए स्वरा ने द मिडनाइट आवर पॉडकास्ट में कहा कि वह इस फैसले से परेशान थीं। उन्हें यह फैसला सही नहीं लगा और उन्हें लगा कि उनके मुस्लिम दोस्तों को पता होना चाहिए कि वह इस फैसले से सहमत नहीं हैं। इसलिए उन्होंने फैसले के तुरंत बाद आमिर खान, शाहरुख खान और सलमान खान समेत अपने सभी मुस्लिम दोस्तों से संपर्क किया और उनसे माफी मांगी।

स्वरा ने शाहरुख-सलमान को क्या मैसेज भेजा? स्वरा ने सभी मुस्लिम दोस्तों को मैसेज में लिखा, 'एक हिंदू होने के नाते, मैं बस इतना कहना चाहती हूँ कि मुझे सच में बहुत खेद है, मुझे बहुत शर्मिंदगी महसूस हो रही है और मैं इस फैसले से सहमत नहीं हूँ।'

पूरे कनाडा पर राज करेंगे..., लॉरेंस-गोल्डी गैंग की चिट्ठी से मवा हड़कंप

चंडीगढ़, एजेंसी। भारत की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिस्नोई के सिंडिकेट ने कनाडा में अपनी पकड़ और प्रभाव को लेकर सीधे वहां की पुलिस, सेना और रक्षा प्रतिष्ठान को चुनौती देने का दावा किया है। कनाडा के अबॉट्सफोर्ड में सामने आई कथित चिट्ठी में गैंग की ओर से दावा किया गया है कि उसके पांच हजार से अधिक सदस्य कनाडा में सक्रिय हैं और पैसे के लिए किसी पर भी गोली चला सकते हैं। चिट्ठी में पुलिस को चेतावनी दी गई है कि अगर उसकी गतिविधियों में हस्तक्षेप किया गया तो पुलिस स्टेशनों पर फायरिंग हो सकती है। चिट्ठी की शुरुआत पूरे कनाडा को जय श्रीराम से की गई है। इसमें लॉरेंस गैंग और गोल्डी ब्राड के नाम का उल्लेख करते हुए कनाडा में मौजूद अपने साथियों को संदेश दिया गया है।

कथित पत्र में लिखा है कि गैंग को कनाडा पर राज करने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही वहां सक्रिय हेल्स एंजल्स समेत अन्य आपराधिक समूहों को भी चुनौती दी गई है।

1000 डॉलर में गोली चलाने का दावा
कथित पत्र में गैंग ने दावा किया है कि उसके पास कनाडा में पांच हजार से ज्यादा सदस्य हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोग महज एक हजार डॉलर के बदले किसी भी व्यक्ति पर गोली चलाने के लिए तैयार हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सीधे चेतावनी देते हुए कहा गया है कि गैंग की गतिविधियों से दूर रहें, अन्यथा अगले दिन किसी पुलिस स्टेशन पर गोलीबारी की खबर आ सकती है। पत्र में यह भी दावा किया गया है कि गैंग के पास कनाडाई पुलिस से ज्यादा हथियार हैं। पत्र में कनाडा में रहने वाले गैंगे लोगों के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी भी की गई है और उन्हें देश छोड़ने की धमकी दी गई है।

विश्वनाथ धाम में पीएम मोदी की दीर्घायु के लिए पूजन, योगी-राजनाथ समेत दिग्गज रहे मौजूद



वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर उनकी लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। इस विशेष अवसर पर कई प्रमुख हस्तियां वाराणसी पहुंचीं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान समेत दिग्गजों ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में विधि-विधान से पूजन किए। पूजन कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने मिलकर प्रधानमंत्री के दीर्घायु जीवन के लिए प्रार्थना की। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में आयोजित यह कार्यक्रम भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। पूजन के बाद सभी नेताओं ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परिसर का दौरा किया। उन्होंने वहां स्वच्छता

प्रहरियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इन प्रहरियों को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया। इसके अतिरिक्त, उपस्थित सभी दिग्गजों ने श्रद्धालुओं और आम जनता के बीच केक काटा और लोगों में वितरित भी किया। यह आयोजन प्रधानमंत्री के प्रति सम्मान और जनसेवा के भाव को दर्शाता है। इस दौरान डमरू वादन भी किया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा: श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में पूजन का विशेष महत्व रहा। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा संपन्न हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के स्वस्थ और सफल जीवन की कामना की। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

जंगल में हथियार छोड़े, रिश्तेदारों के घर ठिकाना बदला... पर आखिरी चाल में मात खा गया शीर्ष नक्सली असीम



ईबासा, एजेंसी। झारखंड और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में करीब चार दशकों से माओवादी गतिविधियों का संचालन कर रहे भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता असीम मंडल उर्फ आकाश उर्फ तिमिर उर्फ मनोज को कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (स्ब्स) ने गिरफ्तार कर लिया है। असीम मंडल पर राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, उसकी गिरफ्तारी पूर्व मेदिनीपुर जिले के पोटाशपुर इलाके से हुई है।

कारवाई के दौरान उसके पास से दो बैग बरामद किए गए हैं, जिनमें माओवादी साहित्य, प्रचार पुस्तिकाएं और कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मौजूद थे। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के चंद्रकोना थाना अंतर्गत फुलचक गांव का निवासी 64 वर्षीय असीम मंडल अपने छत्र जीवन के दौरान ही कट्टर वामपंथी विचारधारा के संपर्क में आया था।

तमिलनाडु में हिंदी पढ़ाने से नहीं रोक सकते:दिल्ली से अलग-थलग नहीं चेन्नई,राज्य सरकार भाषा पर अपनी सोच

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने चेन्नई और



चुनौती दी है, जिसमें हर जिले में नवोदय विद्यालय शुरू करने का आदेश दिया गया था। राज्य सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों की व्यवस्था उसकी शिक्षा और भाषा नीति से मेल नहीं खाती।

नवोदय विद्यालयों की स्थापना को लेकर राज्य और केंद्र में विवाद

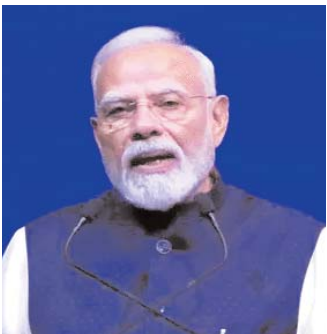
- पूरा मामला तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय खोलने को लेकर है। ये केंद्र सरकार की मदद से चलने वाले आवासीय स्कूल हैं। यहां लड़के और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं और छात्रों के रहने की भी व्यवस्था होती है।
- इन स्कूलों को नवोदय विद्यालय समिति चलाती है। यह केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत काम करती है। राज्य सरकार लंबे समय से इन स्कूलों की स्थापना का विरोध करती रही है।
- राज्य की मुख्य आपूर्ति स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली

भाषाओं को लेकर है। नवोदय विद्यालयों में तीन भाषा की व्यवस्था है, जिसमें हिंदी भी शामिल है। वहीं, तमिलनाडु में दो भाषा की नीति लागू है। यहां तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। राज्य सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों की भाषा व्यवस्था उसकी नीति से अलग है। राज्य सरकार का यह भी कहना है कि शिक्षा से जुड़े ऐसे नीतिगत फैसलों में राज्य के अधिकार का ध्यान रखा जाना चाहिए।

दिशा सालियान मौत मामले में आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ रुपये का नोटिस, पिता ने मांगा हर्जाना

मुंबई, एजेंसी। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियन की मौत के मामले में 500 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस भेजा गया है। दिशा के पिता सतीश सालियन ने शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और एनसीपी नेता अनिल देशमुख से 500 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि दोनों नेताओं ने सतीश सालियन की न्याय की लड़ाई को राजनीति से प्रेरित दिखाने की कोशिश की। 28 साल की दिशा सालियन की मौत 8 जुन, 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक ऊंची रीहायशी इमारत से गिरने के कारण हुई थी। कानूनी नोटिस में कहा गया है, ऊपर बताए गए आरोप झूठे, बेवुनियाद, गैर-जिम्मेदाराना और मानहानि करने वाले हैं। ये आरोप बिना किसी भरोसेमंद सबूत या आधार के और सिर्फ आपके गलत और छिपे हुए मकसदों को पूरा करने के लिए लगाए गए हैं। ये आरोप मेरे मुवक्किल (सतीश सालियन) की ईमानदारी, विश्वसनीयता और नैकनीयती पर सीधा और गंभीर सवाल उठाते हैं। इसमें एक दुखी पिता को एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर दिखाया गया है जो गलत, दुर्भावनापूर्ण और राजनीतिक मकसद से न्यायिक प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल कर रहा है।

ठाकरे को क्वीन चिट देने का दावा गलत :नोटिस में ठाकरे पर यह आरोप भी लगाया गया है कि उन्होंने गलत तरीके से यह दावा किया कि सीबीआई ने दिशा सालियन मामले की जांच कर ली है और उन्हें क्वीन चिट दे दी है। कहा जाता है कि ठाकरे ने दावा किया था कि सालियन का इस्तेमाल उन्हें परेशान करने के लिए एक हथियार के तौर पर किया जा रहा था। अनिल देशमुख ने इस दावे का समर्थन किया था।



नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को आगे बढ़ाने वाले बड़े आयोजनों में से एक सेमीकॉन इंडिया 2026 का आगज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के यशोभूमि में इसके पांचवें संस्करण का उद्घाटन किया। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में दुनिया भर की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री एक मंच पर जुटी है। इस दौरान पीएम मोदी ने यशोभूमि में युवाओं से भारत के सेमीकंडक्टर मिशन पर संवाद किया। इस कार्यक्रम में 52 देशों से 600 से ज्यादा कंपनियां शामिल हो रही हैं।

पीएम मोदी ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में गिनार्ई देश की ताकत: पीएम मोदी ने कहा अब भारत के प्लांट से चिप निकलकर दुनिया तक पहुंचना शुरू हुआ है। पीएम ने कहा कि इतने कम समय में किसी भी देश के लिए ये करना

आसान नहीं है, लेकिन भारत ने यह उपलब्धी हासिल की। मोदी ने इंडस्ट्री लीडर्स को देश की नींव बताया और कहा कि आप हमारे पार्टनर हैं।

पीएम ने आगे कहा, विकसित भारत बनाने के लिए हर देशवासी एक कमिटमेंट के साथ जुटा है। अगर हम बीते 15 दिनों को ही देखें तो अंदाजा लगता है, भारत किस दिशा में किस तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी सितंबर में, 10 दिन पहले, मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट हुआ। इसमें एजेंटिक एआई, टोकनाइजेशन और क्रांत्म टेक्नोलॉजी के जरिए इक्लूसिव फाइनेंस पर चर्चा हुई।

पीएम ने कहा, एक तरफ भारत की इकोनॉमी बढ़ रही है, दूसरी तरफ भारत पर दुनिया का धरोसा भी बढ़ता जा रहा है। इसी दौरान जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की सॉवरिन रेटिंग में सुधार किया है, अपरेड किया है, यह महान 35 साल बाद हुआ है।

- भारत चिप कंपनियों के लिए गोल्डमाइन:पीएम मोदी ने कहा की सेमीकंडक्टर मिशन के पहले फेज में 8 बिलियन डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा गया था, जिसे दूसरे फेज में बढ़ाकर 30.5 बिलियन डॉलर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब भारत की कंपनियां सेमीकंडक्टर डिजाइन करने के लिए बाहर की कंपनियों से साझेदारी कर रही हैं। इतना ही नहीं देश में चिप फैब्रिकेशन और सिलिकन फोटोनिक्स पर भी तेजी से काम चल रहा है। इसके लिए जरूरी बुनियादी आधार तैयार किया जा चुका है। हम भारत में चिप कंपनियों को सुनहरा अवसर दे रहे हैं, देश उनके लिए किसी गोल्डमाइन से कम नहीं है।
- 19 सितंबर तक चलेगा आयोजन:सेमीकॉन इंडिया 2026 का आयोजन 17 से 19 सितंबर तक किया जाएगा। इसका विषय सिलिकॉन टू सिस्टम्स: बिल्डिंग द इकोसिस्टम रखा गया है। इस सम्मेलन में वैश्विक कंपनियों के साथ नीति निर्माता, निवेशक, शोधकर्ता, स्टार्टअप और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आयोजन का मकसद सेमीकंडक्टर उद्योग में सहयोग, निवेश, इनोवेशन और कुशल प्रतिभाओं के विकास को बढ़ावा देना है।इस कार्यक्रम का आयोजन इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा वैश्विक उद्योग संगठन सेमी के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है।
- 600 से ज्यादा कंपनियां होगी शामिल:सेमीकॉन इंडिया 2026 की प्रदर्शनी में 52 देशों से 600 से अधिक कंपनियां हिस्सा लेंगी। इनमें करीब 300 विदेशी कंपनियां शामिल हैं। प्रदर्शनी के लिए लगभग 15,000 वर्ग मीटर क्षेत्र तैयार किया गया है। सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में 150 से ज्यादा वक्ता सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।



इंफाल/गुवाहाटी, एजेंसी। मणिपुर में कुकी और नंगा समुदाय में तनाव के बीच पहाड़ी इलाकों में जनजीवन प्रभावित है। 7 दिन से कई जगह स्कूल और बाजार बंद हैं।

मणिपुर में हिंसा के बीच 7 दिन से स्कूल-बाजार बंद

चीनी 450इद्ध तक बिक रही; 4 दिन में 6 हत्याएं, इस साल अब तक 40 मौतें

7 पहाड़ी जिलों से संपर्क प्रभावित है। सड़कों और हाईवे पर नाकेबंदी के कारण सामान्य आवाजाही मुश्किल हो गई है।हिंसा के चलते जरूरी सामान की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। कांगपोकपी के कुछ गांवों में चीनी 400-450 किलो तक बिक रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, लोग डर के कारण घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। खेतों में जाना और मेडिकल इमरजेंसी में अस्पताल या एयरपोर्ट

पहुंचना भी मुश्किल हो गया है।इधर, पिछले 4 दिनों में 4 महिलाओं समेत 6 कुकी लोगों की हत्या का आरोप है। कुकी संगठनों ने इन हत्याओं के लिए नंगा समुदाय को जिम्मेदार ठहराया है। स्थानीय संगठनों के मुताबिक, फरवरी में शुरू हुई हिंसा के बाद इस साल अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है। सड़कों पर नंगा समुदाय की नाकेबंदी, बिना सुरक्षा लोग नहीं जा पा रहे उखरल, सेनापति, तामंगलोग और चंदेल नंगा बहुत जिले हैं, जबकि चूराचांदपुर, कांगपोकपी और फिरजॉल कुकी बहुल हैं।

कांगपोकपी समेत 4 जिलों में दोनों समुदायों के लोग रहते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हाईवे और दूसरी प्रमुख सड़कों पर कई जगह नंगा समुदाय के लोगों ने नाकेबंदी कर रखी है। कई पोंड बनाए गए हैं। बिना सुरक्षा एस्कॉर्ट के निजी वाहन चलाना मुश्किल है। मेडिकल इमरजेंसी के लिए भी इजाजत लेनी पड़ रही कांगपोकपी की 53 साल के माफिर ने बताया कि जिला मुख्यालय में होने की वजह से उन्हें जरूरी सामान किसी तरह मिल रहा है,

लेकिन गांवों में हालात ज्यादा खराब हैं। कुछ जगहों पर एक किलो चीनी 7400-450 में मिल रही है।35 साल के डेविड ने बताया कि लोग खेतों में भी नहीं जा पा रहे हैं। उन्हें डर है कि कहीं से भी अचानक गोली चल सकती है। उनके मुताबिक, मेडिकल इमरजेंसी या एयरपोर्ट जाने के लिए भी कई जगह नंगा समुदाय के सब-डिविजनल ऑफिसर की मंजूरी लेनी पड़ रही है।चावांगकिनिंग लियांगमाई गांव के कई घरों पर फायरिंग भी की गई। दीवारों पर बुलेट्स के निशान देखे जा सकते हैं।

चावांगकिनिंग में घर जलाए, दीवारों पर गोलियों के निशान:बुधवार को कांगपोकपी के चावांगकिनिंग लियांगमाई गांव में कई घरों में आग लगाए जाने की घटना सामने आई। कुछ घरों पर फायरिंग भी हुई। दीवारों पर गोलियों के निशान मिले हैं।इससे पहले मंगलवार रात करीब 10:30 बजे सौंदिघ हथियारबंद उग्रवादियों ने चावांगकिनिंग नागा गांव पर हमला किया था। अधिकारियों के मुताबिक, बड़ी संख्या में आधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों ने गांव में फायरिंग की।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद राज्य कर विभाग में एडमिन आईटी का दुरुपयोग, कर्मचारियों की एसीआर खराब



गाजियाबाद, एजेंसी। राज्य कर विभाग में मास्टर एडमिन (उपायुक्त प्रशासन) द्वारा मानव संपदा पोर्टल की आइडी और पासवर्ड का दुरुपयोग कर कई अधिकारियों और कर्मचारियों के पासवर्ड रीसेट करने का मामला सामने आया है। आइडी का दुरुपयोग करते हुए वर्ष 2024-25 की वार्षिक प्रविष्टियों (एसीआर) को प्रतिकूल और सदिग्ध रूप से खराब कर दिया गया। इस मामले में तीन प्रधान सहायकों की पदेनक्ति रूक गई है। इस मामले में मुख्यालय की ओर से उपायुक्त प्रशासन को हटाने के आदेश दिए गए हैं।

कोटा में बुजुर्ग बाधिन महक की लंबी उम्र, स्वास्थ्य और सक्रियता पर होगा अध्ययन



जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में कोटा जिले के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क की बुजुर्ग बाधिन 'महक' की 23 वर्ष लंबी उम्र के बावजूद उसकी सक्रियता और स्वास्थ्य के पीछे छिपे वैज्ञानिक कारणों के बारे में जानकारी हासिल करने को लेकर अध्ययन किया जाएगा। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (डब्ल्यूआइआइ) के विज्ञानी और राज्य सरकार के वन विशेषज्ञ इसका अध्ययन करेंगे। अध्ययन में इस बाधिन की जेनेटिक संरचना, डीएनए, शरीर में चलने वाली प्रक्रियाओं वैक्सिनेशन, खान-पान और स्वास्थ्य से जुड़ी व्यवस्थाओं का अध्ययन किया जाएगा। साथ ही यह जानने का भी प्रयास होगा कि क्या महक के शरीर में कोई विशेष जीन मौजूद है, जिसके कारण से बढ़ती उम्र के बावजूद महक बुढ़ापे से जुड़ी बीमारियों से बची हुई है। आमतौर पर बाघ-बाघिनी की उम्र 18 साल के आसपास होती है। जंगल में शिकार, दूसरे जानवरों से संघर्ष सहित कई कारणों से इनकी उम्र कम भी हो सकती है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, महक का जन्म 28 अगस्त 2004 को जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में हुआ था। उसे वहां से वर्ष 2012 में अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क लाया गया था। खुले जंगल में उसने कभी समय नहीं बिताया। वह देश की सबसे बुजुर्ग बाधिनों में शामिल है। महक से पहले सबसे अधिक लंबे समय तक जीवित रहने वाली बाधिन गुवाहाटी चिड़ियाघर की स्वाति थी, जिसकी 20 वर्ष की उम्र में मौत हुई थी। महक को लेकर वन विभाग एक डाक्यूमेंट्री तैयार करवा रहा है, जिसमें उसके जन्म से लेकर 23 वर्ष की उम्र तक का पूरा व्यौरा होगा। यह पार्क में लगी स्क्रीन पर पर्यटकों को दिखाया जाएगा। प्रमोद धाकड़, जिला वन अधिकारी, कोटा बाधिन के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रेटर नोएडा में दर्दनाक हादसा, कैटर के शीशे बंद कर तो रखा था ड्राइवर, दम घुटने से सड़ियह परिस्थितियों में मौत



ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। कानसा कोतवाली क्षेत्र में कैटर के केबिन में सोए चालक की सदिध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने दम घुटने से चालक की मौत होने का दावा किया है। कहना है कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण कैटर के शीशे और दरवाजे बंद कर सोने के दौरान दम घुटना माना जा रहा है। मृतक की पहचान पवन शर्मा (37) निवासी ऐचोरा, थाना अनूपशहर, बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस को मुताबिक, सुबह डायल-112 पर सूचना मिली कि ग्राम लडपुरा में खड़े कैटर में एक व्यक्ति बेहोशी की अवस्था में पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची तो कैटर के दरवाजे अंदर से लॉक थे।

अलीगढ़ से गाजीपुर मंडी आलू सप्लाई को जा रहा था: किसी तरह लॉक खोल कर उसे बाहर निकाला गया, उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। जांच में पता चला कि पवन अलीगढ़ से गाजीपुर मंडी में आलू की सप्लाई के लिए रवाना हुआ था।

पंजाब के सरकारी स्कूलों की अब सोशल मीडिया पर भी होगी पहचान, उपलब्धियों और गतिविधियों को करना होगा शेयर



चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के सरकारी स्कूलों की गतिविधियां और उपलब्धियां अब इंटरनेट मीडिया के जरिये भी लोगों तक पहुंचेंगी। पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों को कम से कम एक इंटरनेट मीडिया मंच पर आधिकारिक और सक्रिय खाता बनाने के निर्देश दिए हैं। स्कूलों को 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक या इंस्टाग्राम में से किसी एक मंच पर आधिकारिक खाता बनाकर उसे सक्रिय रखना होगा। विभाग का उद्देश्य स्कूलों में होने वाली सकारात्मक गतिविधियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों तथा नवाचारी शिक्षण कार्यों को व्यापक स्तर पर सामने लाना है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि जिन सरकारी स्कूलों के पहले से आधिकारिक इंटरनेट मीडिया खाते हैं, उन्हें निर्धारित वेब प्रपत्र के माध्यम से इन खातों की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। वहीं, जिन स्कूलों के पास अभी तक कोई आधिकारिक इंटरनेट मीडिया खाता नहीं है, उन्हें 'एक्स', फेसबुक या इंस्टाग्राम में से किसी एक मंच पर खाता बनाना होगा। खाते की जानकारी एमस्टार पोर्टल के माध्यम से दर्ज करनी होगी।

स्कूल की सकारात्मक गतिविधियों की

देनी होगी जानकारी: विभाग ने स्कूल प्रमुखों को इंटरनेट मीडिया खातों पर स्कूल की सकारात्मक पहलों और महत्वपूर्ण गतिविधियों को नियमित जानकारी साझा करने के निर्देश दिए हैं। इसमें विद्यार्थियों की उपलब्धियां, शिक्षकों की उपलब्धियां, कक्षा में अपनाई जा

रही नवाचारी शिक्षण गतिविधियां, स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) की ओर से किए जा रहे कार्य तथा स्कूल में आयोजित होने वाले अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल होंगे। इस पहल से अभिभावकों और आम लोगों को सरकारी स्कूलों में हो रहे कार्यों की जानकारी मिल सकेगी। साथ ही विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों को भी सार्वजनिक मंच मिल सकेगा।

विद्यार्थियों का रिकार्ड भी होगा अद्यतन: इंटरनेट मीडिया खाते बनाने के साथ शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों के रिकार्ड को एमस्टार एप पर अद्यतन करने की भी निर्देश दिए हैं। स्कूल प्रमुखों को प्रत्येक विद्यार्थी का पूरा आवासीय पता जांचकर अपडेट करने को कहा गया है। इसके अलावा जहां उपलब्ध हों, वहां विद्यार्थी के माता-पिता या अभिभावकों दोनों के मोबाइल नंबरों का सत्यापन कर उन्हें रिकार्ड में दर्ज करना होगा। विभाग ने यह प्रक्रिया 24 जुलाई तक पूरी करने के निर्देश

जारी किए थे। **जिला शिक्षा अधिकारियों को निगरानी का जिम्मा:** जिला शिक्षा अधिकारियों (माध्यमिक और प्राथमिक) को अपने अधिकार क्षेत्र के सभी सरकारी स्कूलों में इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जिन स्कूलों के पास आधिकारिक इंटरनेट मीडिया खाता नहीं है, वे निर्धारित मंच पर खाता बनाएं और उसकी जानकारी एमस्टार पोर्टल पर दर्ज करें। इसके साथ ही विद्यार्थियों के रिकार्ड को भी समय पर अद्यतन कराया जाए। शिक्षा विभाग ने अधिकारियों को पूरी प्रक्रिया की निगरानी करने और निर्धारित समयसीमा के भीतर दोनों कार्य पूरे कराने के निर्देश दिए हैं। इससे एक ओर सरकारी स्कूलों की गतिविधियों को व्यापक मंच मिलेगा, वहीं दूसरी ओर विद्यार्थियों से संबंधित रिकार्ड को भी अधिक व्यवस्थित और अद्यतन रखने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में झुग्गी पुनर्वास की दिशा में बड़ा कदम, डीडीए ने इंदिरा कल्याण विहार में शुरू किया सर्वे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की झुग्गी बस्तियों के पुनर्वास की प्रक्रिया अब जमीन पर आगे बढ़ने लगी है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने इंदिरा कल्याण विहार से झुग्गीवासियों के सर्वे का काम शुरू किया है। ओखला औद्योगिक क्षेत्र फेज-1, साइट-2 स्थित इस जेजे क्लस्टर में डीडीए की इन-सीट स्लम पुनर्वास शाखा की टीमें घर-घर जाकर निवासियों की संख्या और पुनर्वास के लिए उनकी पात्रता से जुड़े दस्तावेज जुटा रही हैं। सर्वे का मकसद यह पता लगाना है कि क्लस्टर में कितने परिवार रह रहे हैं और इनमें से कौन पुनर्वास योजना के तहत पात्र है। डीडीए ने झुग्गीवासियों से सर्वे के दौरान मौजूद रहने और



मांगी गई जानकारी व दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा है। अधिकारियों के अनुसार, इंदिरा कल्याण विहार के बाद राजधानी के अन्य जेजे क्लस्टरों में भी चरणबद्ध तरीके से सर्वे कराया जाएगा।

एक जनवरी 2025 की कटआफ तिथि तय की गई:

संबंधित परिवार तय पात्रता शर्तों को पूरा करता है या नहीं। करीब चार लाख लोगों को लाभ पहुंचाने की योजना बीते 16 जून को हुई समीक्षा बैठक में डीडीए और दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड को पहले पांच और बाद में 50 जेजे क्लस्टरों में सर्वे की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। इस पूरी कवायद से करीब चार लाख लोगों को लाभ पहुंचाने की योजना है। इंदिरा कल्याण विहार में शुरू हुआ सर्वे इसी बड़े पुनर्वास कार्यक्रम का शुरुआती चरण है। सर्वे में जुटाए गए आंकड़ों और दस्तावेजों के आधार पर पात्र परिवारों की पहचान होगी। इसके बाद पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

ट्रंप प्रशासन का फैसला: गोरों के खिलाफ भेदभाव के आरोपों पर होगा एक्शन, दक्षिण अफ्रीकी अफसरों पर लगाया बैन

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को एक नई घोषणा की। प्रशासन का कहना है कि वे उन अधिकारियों के यात्रा पर प्रतिबंध लगाएंगे, जिनके बारे में यह दावा है कि वे दक्षिण अफ्रीका में गोरों और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ भेदभाव के लिए जिम्मेदार हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने क्या कहा : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मंगलवार को कहा कि वह उन विदेशी नागरिकों के अमेरिकी वीजा रद्द कर देंगे या वीजा आवेदनों को अस्वीकार कर देंगे, जो दक्षिण अफ्रीका में अल्पसंख्यक जातीय और नस्लीय समूहों के खिलाफ बिना मुआवजे के भूमि अधिग्रहण, नस्ल-आधारित भेदभाव और हिंसा भड़काने की अनुमति देने वाले कानूनों और नीतियों को लागू करने या उनका पालन करने के लिए जिम्मेदार या इसमें शामिल पाए जाते हैं। रुबियो ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका इस तरह के व्यवहार को बेरोकटोक नहीं चलने देगा। ये कार्रवाइयां सीधे तौर पर शांति, आर्थिक स्थिरता और कानून के शासन को कमजोर करती हैं। ये अमेरिका की विदेश नीति के मूल सिद्धांतों के विपरीत हैं।'

दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने क्या कहा : दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने श्वेत लोगों के खिलाफ भेदभाव के अमेरिकी आरोपों को दृढ़ता



से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले साल सत्ता में लौटने के बाद से प्रशासन की ओर से किए गए दावे निराधार और गलत सूचना का परिणाम हैं।

क्या अधिकारियों की पहचान हुई है : रुबियो ने उन अधिकारियों की पहचान नहीं की जिन्हें यात्रा प्रतिबंधों के तहत निशाना बनाया जाएगा। हालांकि दक्षिण अफ्रीका में अल्पसंख्यक श्वेतों के एक लंबी समूह ने पहले अमेरिका से अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस पार्टी के अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था, जो दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा की पार्टी है और दक्षिण अफ्रीका की संसद में सबसे बड़ी पार्टी है।

दक्षिण अफ्रीका ने क्या दावा किया: यह ट्रंप प्रशासन का दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध लगाने का ताजा कदम है।

चीन: तकलामकान की रेत के नीचे छिपा रहस्य खुला, मिले पानी के दो बड़े भंडार; ताजे और खारे भूजल ने चौंकाया

बीजिंग, एजेंसी। जिस जगह दूर-दूर तक सिर्फ रेत दिखाई देती है, जहां पानी जीवन की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है और मौसम बेहद शुष्क रहता है, उसी तकलामकान रेगिस्तान के नीचे पानी के दो बड़े भंडार मिले हैं। वैज्ञानिकों के लिए इस खोज की खास बात सिर्फ पानी की मौजूदगी नहीं है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि यहां मौजूद भूजल स्थिर नहीं, बल्कि भूमिगत परतों में बह रहा है और प्राकृतिक प्रक्रिया से इसकी भरपाई भी होती रहती है। यानी सवाल अब सिर्फ यह नहीं है कि रेगिस्तान के नीचे कितना पानी है, बल्कि यह है कि यह पानी कहाँ से आता है, किस दिशा में बहता है और इसे कितनी मात्रा में निकालना सुरक्षित होगा। चीन के ग्लोबल टाइम्स ने बुधवार को शिनच्यांग ड्यूरुर स्वायत्त क्षेत्र के भूगर्भीय ब्यूरो के जल विज्ञान एवं पर्यावरण भूविज्ञान सर्वेक्षण केंद्र के हवाले से यह जानकारी दी। भूजल की यह खोज एक विशेष अन्वेषण

संभावित इस्तेमाल का आकलन किया गया। जांच में दोनों क्षेत्रों में ताजा और खारा दोनों तरह का भूजल मिला है।

पानी रुका हुआ नहीं, भूमिगत परतों में बह रहा: इस खोज का सबसे दिलचस्प पहलू भूजल का प्रवाहमान होना है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह पानी जमीन के नीचे किसी बंद जगह में वर्षों से जमा होकर स्थिर नहीं है। यह भूमिगत जलभृतों और परतों के भीतर आगे बढ़ रहा है। जांच में इसके नवीकरणीय होने के संकेत भी मिले हैं। सरल शब्दों में कहें तो प्राकृतिक प्रक्रिया के जरिए इस भूजल में पानी दोबारा पहुंच सकता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि तकलामकान के नीचे पानी का असीमित भंडार मिल गया है। किसी भी भूजल स्रोत के टिकाऊ इस्तेमाल के लिए यह जानना जरूरी होता है कि प्राकृतिक रूप से उसमें पानी कितनी तेजी से पहुंचता है और उसके मुकाबले कितनी मात्रा

निकाली जा सकती है।

क्या खारा पानी भी आएगा काम: वैज्ञानिक अब खारे भूजल के इस्तेमाल की संभावना भी परख रहे हैं। सर्वेक्षण केंद्र ने कम खारे भूजल से सिंचाई के सुरक्षित इस्तेमाल की जांच के लिए एक पायलट स्टेशन बनाया है। इसका संबंध सिर्फ खेती से नहीं है। चीन तकलामकान के विस्तार को रोकने और रेगिस्तान में पर्यावरण बहाली से जुड़ी परियोजनाएं भी चला रहा है। ऐसे में यदि कम खारे भूजल का सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल संभव होता है तो यह इन परियोजनाओं के लिए एक अतिरिक्त जल स्रोत बन सकता है।

असली चुनौती पानी निकालना नहीं, बचाकर इस्तेमाल करना: सर्वेक्षण केंद्र के निदेशक झांग लेंग के मुताबिक परियोजना का महत्व केवल जमीन के नीचे मौजूद पानी की मात्रा पता करने तक सीमित नहीं है।

खुद कानून तोड़ने वाली ताकतें सुरक्षा परिषद में: यूएन में सुधार पर बोले गुटेरेस- बिना सजा नियम तोड़ रहे देश



'पैरालिसिस' (ठहराव या बेअसर होने की स्थिति) है।' गुटेरेस ने कहा कि यूएन सुरक्षा परिषद के ठप पड़ने से ऐसी स्थिति बन गई है कि दुनिया भर के हर देश को लगता है कि उन्हें अपनी मर्जी का कुछ भी करने का हक है।' क्योंकि सबसे बड़ी ताकतों का उदाहरण अच्छ नहीं है। वे जानते हैं

कि वे बिना किसी सजा के ऐसा कर सकते हैं क्योंकि सिक्वोरिटी काउंसिल खुद बेअसर हो चुकी है। उन्होंने कहा, 'बिना किसी सजा के बच निकलने की इसी छूट ने ऐसा माहौल बना दिया है जिसमें हम देख रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा देश अंतरराष्ट्रीय कानून, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और मानवाधिकार कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं, और वे ऐसा बिना किसी डर या सजा के कर रहे हैं। एक बात साफ है। यह मामला असल में ताकत है। बात यह है कि हमारी दुनिया में ताकत का बंटवारा और उसका इस्तेमाल जिस तरह से होता है, उसकी वजह से बहुपक्षीय संस्थाएं असरदार ढंग से काम नहीं कर पाती।'

ब्रिक्स को लेकर क्या बोले: एक और सवाल के जवाब में कि क्या वह ब्रिक्स जैसे संगठनों को पावर शिफ्ट (सत्ता के बदलाव) को दिखाने के मामले में मौजूदा व्यवस्था के पूरक या विकल्प के तौर पर देखते हैं। गुटेरेस ने कहा कि आजादी की संस्थाएं कई दशक पहले के पावर रिलेशन (सत्ता के संबंधों) को दिखाती हैं, जिनमें से ज्यादातर दूसरे विश्व युद्ध के समय बनी थीं। लेकिन दुनिया बदल रही है, और हम नई ताकतों का उदय देख रहे हैं। और अगर, अगर ग्लोबल इकॉनमी (वैश्विक अर्थव्यवस्था) को देखें, तो हर दिन ग्लोबल जीडीपी में विकसित देशों

का हिस्सा थोड़ा कम हो रहा है। हर दिन ग्लोबल जीडीपी में उभरती अर्थव्यवस्थाओं का हिस्सा थोड़ा बढ़ रहा है।' बता दें कि एक हफ्ते तक चलने वाली आम बहस, जिसमें दुनिया भर के राष्ट्रपक्ष और सरकार के प्रमुख, विदेश मंत्री, नेता और दूत दूर दूर मुख्यालय में इकट्ठा होंगे। यह 22 सितंबर को शुरू होगी। इस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल में मशहूर हरे पोडियम से विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे। गुटेरेस के लिए यह संयुक्त राष्ट्र महासभा का आखिरी हाई-लेवल हफ्ता होगा, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख के तौर पर उनका दूसरा पांच साल का कार्यकाल दिसंबर 2026 में खत्म हो रहा है।

राजनयिक के तौर पर बीते 10 वर्षों में क्या सीखा: जब उनसे पूछा गया कि दुनिया के सबसे बड़े राजनयिक के तौर पर बीते 10 वर्षों से उन्होंने क्या सबक सीखा है, तो गुटेरेस ने कहा, 'मैंने यह सबक सीखा है कि जब दुनिया तेजी से मल्टीपोलर (कई ध्रुवों वाली) होती जा रही है, तो मल्टीलेटरल (बहुपक्षीय) संस्थाओं में सुधार करना जरूरी है। ऐसा इसलिए ताकि वे संस्थाएं शांति, विकास और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के मामले में असरदार बन सकें, क्योंकि ये तीनों ही यूएन के मुख्य आधार हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 के तहत तहसील चुरहट के अमरपुर तथा गोपद बनास के ऐंठी में शिविर आयोजित किए गए शिविर में स्वामित्व योजना के अंतर्गत तैयार भूमिस्वामियों के अधिकार अभिलेखों के निःशुल्क पंजीयन की प्रक्रिया की गई अमरपुर में हितग्राही राम गणेश प्रजापति के पंजीयन से प्रक्रिया की शुरुआत की गई मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के सचिव लोकेश जाटव ने अमरपुर एवं ऐंठी में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया उन्होंने शिविर में उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए भूमिस्वामियों को दी जा रही सुविधाओं तथा अधिकार अभिलेखों के पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी ली उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पंजीयन कार्य की प्रगति एवं हितग्राहियों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों को निर्धारित प्रक्रिया का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के निष्पादन एवं पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति के अधिकार से संबंधित अभिलेख तैयार किए गए हैं इन अधिकार अभिलेखों के निःशुल्क पंजीयन से भूमिस्वामियों को अपनी संपत्ति के अधिकार का विधिकत पंजीकृत दस्तावेज प्राप्त होगा, जिससे उनके संपत्ति संबंधी अधिकारों को सुरक्षित एवं प्रमाणित आधार मिलेगा कलेक्टर ने बताया कि पंजीकृत अधिकार अभिलेख विभिन्न शासकीय एवं वित्तीय कार्यों में उपयोगी होंगे विशेष रूप से पंजीकृत संपत्ति के आधार पर बैंकिंग संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी जिससे ग्रामीण परिवार अपनी संपत्ति का आर्थिक उपयोग भी कर सकेंगे।

7424 हितग्राही होंगे लाभान्वित: उल्लेखनीय है कि स्वामित्व योजना के तहत सीधी जिले की 383 ग्राम पंचायतों के कुल 7424 हितग्राही भू-अधिकार पंजीयन प्रमाण पत्र से लाभान्वित होंगे।

जले ट्रांसफार्मर बदलने और सुविधाएं दिलाने की मांग, किसान-मजदूर महासंघ की बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ब्लॉक इकाई सिरमौर की मासिक बैठक विश्राम गृह में आयोजित की गई बैठक में किसानों और मजदूरों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए शासन-प्रशासन से उनके शीघ्र निराकरण की मांग की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में महासंघ के जिला संयोजक रामायण प्रसाद मिश्रा उपस्थित रहे बैठक के दौरान पदाधिकारियों ने जन जागरण यात्रा के समापन के दौरान जिला सिवनी प्रशासन द्वारा किसानों के साथ किए गए व्यवहार पर नाराजगी जताई वक्ताओं ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि किसानों के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है उन्होंने कहा कि किसानों और मजदूरों की समस्याओं को प्रशासन द्वारा गंभीरता से सुना जाना चाहिए



तथा उनके समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए बैठक में बिजली और राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा हुई पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और मजदूरों को शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है विभागीय स्तर पर समस्याओं के निराकरण में देरी के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है विद्युत व्यवस्था को लेकर महासंघ के

पदाधिकारियों ने बताया कि कई गांवों में ट्रांसफार्मर लंबे समय से जले पड़े हैं इसके बावजूद उन्हें समय पर बदले नहीं जाने से किसानों की परेशानी बढ़ रही है महासंघ ने विद्युत विभाग से जले हुए ट्रांसफार्मरों को प्राथमिकता के आधार पर बदलने और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। बैठक में जिला अध्यक्ष रीवा भक्त प्रहलाद वर्मा, जिला सहमंत्री कामता प्रसाद शुक्ल, वंश गोपाल त्रिपाठी, मनमोहन त्रिपाठी, बैजनाथ शुक्ल, गणेश

शिक्षक ईमानदारी से कर्तव्यों का पालन कर राष्ट्र निर्माण में दें योगदान : कमिश्नर सैनिकों की तरह शिक्षक भी जिम्मेदारी निभाएं, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर भी दिया जोर



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हम सभी भारतीय हैं और भारतीय होने के नाते देश के विकास में योगदान देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। जिस तरह सीमा पर सैनिक विषम परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देशवासियों की सुरक्षा करते हैं, उसी तरह शिक्षकों को भी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का पालन कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए यह

बातरीवा संभाग के आयुक्त शौलेंद्र सिंह ने शासकीय शिक्षा महाविद्यालय में आयोजित शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में कही गणेश महोत्सव के तीसरे दिन आयोजित कार्यक्रम में आयुक्त ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों तथा रीवा एवं शहडोल संभाग के बीएड और एमएड प्रशिक्षार्थियों को संबोधित किया उन्होंने कहा कि शिक्षक देश की भावी पीढ़ी को शिक्षित करने के साथ उन्हें

संस्कारवान नागरिक बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं यदि शिक्षक अपने कर्तव्यों और दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन करें तो देश आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और अन्य क्षेत्रों में भी मजबूत बनेगा आयुक्त ने कहा कि शिक्षकों को स्वयं अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार रहकर विद्यार्थियों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए इससे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ेगा तथा गांव, समाज और राष्ट्र के विकास को गति मिलेगी कार्यक्रम की शुरुआत में महाविद्यालय के प्राचार्य एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. आरपन शुभम मिश्रा ने शिक्षकों के लिए प्रशिक्षणार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी चिकित्सकों ने संयमित दिनचर्या, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करने की सलाह दी उन्होंने प्रतिदिन पैदल चलने, साइकिलिंग करने तथा हड्डियों की मजबूती के लिए शारीरिक सक्रियता बनाए रखने पर जोर दिया भोजन में पर्याप्त प्रोटीन लेने रात में हल्का भोजन करने तथा चाय और शक्कर का कम से कम उपयोग करने की सलाह भी दी गई।

डॉ. पटेल ने कहा कि शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में आयुक्त का मार्गदर्शन प्रशिक्षणार्थियों और शिक्षकों के लिए उपयोगी साबित होगा। कार्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता एवं परिचर्चा भी आयोजित की गई। डॉ. एसके त्रिपाठी, डॉ. सर्येंद्र मिश्रा और डॉ. हड्डियों की मजबूती के लिए शुभम मिश्रा ने शिक्षकों के लिए प्रशिक्षणार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी चिकित्सकों ने संयमित दिनचर्या, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करने की सलाह दी उन्होंने प्रतिदिन पैदल चलने, साइकिलिंग करने तथा हड्डियों की मजबूती के लिए शारीरिक सक्रियता बनाए रखने पर जोर दिया भोजन में पर्याप्त प्रोटीन लेने रात में हल्का भोजन करने तथा चाय और शक्कर का कम से कम उपयोग करने की सलाह भी दी गई।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सीधी और कुसमी में रक्तदान शिविर, 48 यूनिट रक्त संग्रहित



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को जिला चिकित्सालय सीधी के

ब्लड बैंक तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। दोनों शिविरों के माध्यम से जिले में कुल 48 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया जिला चिकित्सालय

सीधी में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ सांभव डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक रीती पाठक एवं देव कुमार सिंह चौहान सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और मीडिया प्रतिनिधियों की

उपस्थिति में हुआ। अतिथियों ने रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि दुर्घटना, प्रसव, गंभीर बीमारी अथवा आयातकालीन स्थिति में समय पर रक्त उपलब्ध होना किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है उन्होंने स्वस्थ एवं सक्षम नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की विधायक रीती पाठक ने कहा कि रक्तदान ऐसा मानवीय कार्य है जिसका सीधा लाभ जरूरतमंद व्यक्ति को मिलता है। उन्होंने पुलिस जवानों, स्वास्थ्य कर्मियों, औद्योगिक संस्थानों के कर्मचारियों एवं आम नागरिकों द्वारा किए गए रक्तदान की सराहना की जिला

चिकित्सालय के ब्लड बैंक में कुल 21 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। इसमें पुलिस प्रशासन के 8 जवानों, अल्ट्राटेक बघवार के 5 कर्मचारियों तथा आम नागरिकों ने 8 यूनिट रक्तदान किया वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में 27 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस प्रकार दोनों स्थानों पर कुल 48 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ।

जिला प्रभारी सचिव ने किया निरीक्षण: सेवा संकल्प अभियान के जिला प्रभारी एवं मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के सचिव लोकेश जाटव ने जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर का निरीक्षण किया उन्होंने रक्तदान प्रक्रिया और ब्लड बैंक की व्यवस्थाओं का जायज देखे हुए रक्त संग्रहण एवं उपलब्धता की जानकारी ली इस दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा,

जिला प्रभारी सचिव ने कलेक्ट्रेट में की समीक्षा, जनभागीदारी बढ़ाने और विभागों में समन्वय के दिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के सचिव एवं सेवा संकल्प अभियान के जिला प्रभारी लोकेश जाटव ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सेवा संकल्प अभियान के क्रियाव्यवन की समीक्षा की। उन्होंने जिले में अभियान के तहत अब तक आयोजित गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्धारित

कार्ययोजना के अनुरूप सभी गतिविधियों का प्रभावी, व्यवस्थित और समयबद्ध आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए समीक्षा बैठक में सचिव ने विभागवार अभियान की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से अब तक आयोजित कार्यक्रमों, आगामी गतिविधियों, लक्षित हितग्राहियों तथा विभागों द्वारा की जा रही

तैयारियों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाना है इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्धारित गतिविधियों को जनभागीदारी के साथ प्रभावी ढंग से संचालित करें लोकेश जाटव ने



अभियान के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों में नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक समूहों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रमों की नियमित निगरानी करने तथा कार्ययोजना के अनुसार गतिविधियों की प्रगति की जानकारी रखने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले में

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों और तैयार कार्यक्रमों का विस्तार से जानकारी दी उन्होंने विभागवार की जा रही तैयारियों, आयोजित जनकल्याणकारी गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों के संबंध में सचिव को अवगत कराया कलेक्टर ने बताया कि अभियान के प्रभावी क्रियाव्यवन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-

निर्देश जारी किए गए हैं अभियान के तहत सेवा, जनकल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं युवा सहभागिता तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं बैठक में अधिकारियों को अपने-अपने विभाग की गतिविधियों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने तथा अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए आमजन को शासन की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए मैदानी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई पर भी जोर दिया गया इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंगरौली में भाजपा विधायक ने लगाया नरेंद्र मोदी अमर रहें का नारा, वीडियो वायरल

रक्तदान शिविर के दौरान विधायक राजेंद्र मेश्राम ने लगाया नारा, बाद में कार्यकर्ताओं ने लगाए मोदी जिंदाबाद के नारे



किया गया था। कार्यक्रम के दौरान विधायक राजेंद्र मेश्राम ने मंच के समीप 'नरेंद्र मोदी अमर रहें' का नारा लगाया उपलब्ध वीडियो में उनके नारे के बाद तत्काल कोई स्पष्ट सामूहिक प्रतिक्रिया सुनाई नहीं देती इसके बाद वहां मौजूद लोगों की ओर से नरेंद्र मोदी

जिंदाबाद के नारे लगाए गए वीडियो में विधायक कुछ देर बाद मुस्कराते हुए वहां से जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वीडियो की चर्चा: विधायक के नारे का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने

सकी है। **जन्मदिन पर आयोजित हुआ रक्तदान शिविर:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा और उससे जुड़े संगठनों की ओर से देशभर में रक्तदान सहित विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा ने 17 सितंबर से सेवा संकल्प अभियान समेत कई कार्यक्रमों की घोषणा की है। सिंगरौली के बैद्वन में आयोजित रक्तदान शिविर भी इसी क्रम का कार्यक्रम था। इसी दौरान विधायक के नारे का वीडियो रिकॉर्ड हुआ, जो अब सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। फिलहाल वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम को लेकर विधायक की ओर से विस्फुट प्रतिक्रिया सामने आने का इंतजार है।

रंजिश में सागौन के 20 से ज्यादा हरे पेड़ काटे, चार घरों से लकड़ी जब्त वन विभाग की कार्रवाई के दौरान आरोपी फरार, चार से अधिक लोगों पर वन अपराध दर्ज



जुटाई गई। **चार घरों से सागौन की लकड़ी बरामद:** वन विभाग की टीम ने जंगल में जांच के बाद गांव में भी कार्रवाई की विभाग के अनुसार राबेन्द्र सिंह, अशोक सिंह, अनिल सिंह और विनोद सिंह के घरों से सागौन की लकड़ी जब्त की गई है कार्रवाई की जानकारी मिलते ही चारों लोग

मौके से फरार हो गए वन विभाग की टीम उनकी तलाश में जुटी हुई है। रंजर रवि शेखर सिंह ने बताया कि बगदरा कला क्षेत्र में वर्ष 2011 में सागौन के पौधे लगाए गए थे वन विभाग द्वारा क्षेत्र में लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है विभाग के अनुसार पूर्व में जिन लोगों का अतिक्रमण हटया गया था उनके

घरों से भी सागौन की लकड़ी बरामद हुई थी उस मामले में भी वन अपराध दर्ज किया गया था। रंजर के अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से नाराज कुछ ग्रामीणों द्वारा वन विभाग पर लकड़ी चोरी करवाने का आरोप लगाने के उद्देश्य से कथित तौर पर सागौन के हरे पेड़ों को काटे जाने की आशंका हालांकि, पेड़ काटने के पीछे वास्तविक कारण और आरोपियों की भूमिका की पुष्टि जांच के बाद ही होगी वन विभाग ने इस मामले में चार से अधिक लोगों के खिलाफ वन अपराध दर्ज किया है फरार आरोपियों की तलाश के साथ जंगल में काटे पेड़ों की वास्तविक संख्या और जब्त लकड़ी की मात्रा का आकलन किया जा रहा है जांच पूरी होने के बाद मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ, गणेश मंदिर परिसर में चला स्वच्छता अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वच्छता और जनभागीदारी के संकल्प के साथ जिले में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हुआ अभियान के शुभारंभ अवसर पर गणेश मंदिर परिसर स्थित पूजा पार्क में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें जिला प्रशासन, नगर पालिका, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद तथा सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों और नागरिकों ने सहभागिता की स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान गणेश मंदिर परिसर और पूजा पार्क में साफ-सफाई की गई उपस्थित लोगों ने सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संदेश दिया नागरिकों से गंदगी नहीं करने तथा अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील की गई कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग अथवा संस्था की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि यह सामूहिक सहभागिता का विषय है सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने में प्रशासन के साथ आम नागरिकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी से शहर एवं जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। कलेक्टर ने नागरिकों से सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए इसे दैनिक जीवन की आदत और जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की आवश्यकता है सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जिले में स्वच्छता, जनभागीदारी और सामाजिक संरोकर से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है अभियान में विभिन्न विभागों, संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

शिक्षकों का दायित्व है संवेदनशील व्यवहार

पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का वह वीडियो पूरे देश में वायरल हुआ, जिसमें एक प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका बच्चे को घंटटी और थपपड़ मारती नजर आ रही थी। उसके बाद बच्चे को कटे पेड़ की तरह गिरते देखा गया। बताते हैं कि होमवर्क पूरा न करने पर टीचर ने एलकेजी के छह वर्षीय छात्र प्रणय तेजा को पहले बुरी तरह डांटा और फिर उसे जोर से थपपड़ मारा, जो उसे एक शॉक की तरह लगा। सीसीटीवी कैमरे की पुलिस द्वारा हासिल रिकॉर्डिंग में बच्चे की पिटाई और जमीन पर गिरने

का दृश्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया। जहां बताया गया है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। इस घटना के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चा घर से स्वस्थ स्थिति में स्कूल के लिए निकला था। उसे कोई रोग भी नहीं था। बाकायदा उसने स्कूल जाने की खुद ज़िद की। उसके पिता के अनुसार उनका परिवार एक तीर्थयात्रा पर गया था, जिसकी वजह से वह होमवर्क नहीं कर सका। इसके बाद टीचर के खिलाफ कार्रवाई और निजी

स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और संवेदनशील व्यवहार की मांग तेज हुई। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने दलील दी कि खेल के मैदान में गिरने की वजह से बच्चे की जान गई। बताया जाता है कि स्कूल में कोई खेल का मैदान था ही नहीं। पूरी दुनिया में ऐसे तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं

किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वे इसके लिये कानूनी रूप से भी बाध्य हैं। लेकिन विडंबना यह है कि शिक्षकों ने जाने वयों मान लिया है कि किसी छात्र की गलती को दंडित या प्रताड़ित करके ही सुधारा जा सकता है। कहीं न कहीं यह शिक्षकों में धैर्य व तार्किक सोच की कमी को भी दर्शाता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में

भी पिछले दिनों ऐसी ही घटना सामने आई। वहां विनोद नगर में एक सरकारी स्कूल की ग्यारह साल की छात्रा की सजा दिए जाने के बाद मौत हो गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह क्लास में किताब लाना भूल गई। शिक्षिका ने उसे क्लास के पीछे हाथ ऊपर करके खड़े होने की सजा दी। कक्षा में इस तरह काफ़ी देर तक खड़े रहने और अपमान को आहत होने के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। इसी तरह की अन्य घटना

में फरीदाबाद के एक स्कूल में मामूली बात पर छात्रा को चार घंटे खड़े होने की सजा दी गई। घटना से आहत व अल्पमानित महसूस करके छात्रा ने स्कूल की छत से कूदकर जान दे दी। आखिर कई स्तर पर प्रशिक्षित शिक्षक इस बात को समझने का प्रयास क्यों नहीं करते कि उन्हें छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। वे क्यों नहीं सोचते कि क्लास में सबके सामने दंडित किए जाने से बच्चे के कोमल मन-मस्तिष्क पर कैसा नकारात्मक असर पड़ेगा।

संपादकीय

हृतियों की बढ़ती ताकत

से गहराया तेल संकट

क़ातिलाल मांडेत

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध अब केवल दो देशों के बीच सैन्य संघर्ष नहीं रह गया है। इसकी गूंज लाल सागर से लेकर फारस की खाड़ी और होरमुज जलडमरूमध्य तक सुनाई दे रही है। यमन के हूती लड़कों की बढ़ती सक्रियता ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। सऊदी अरब की तेल पाइपलाइन पर झेन हमला और लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार के निकट रणनीतिक क्षेत्र पर हृतियों की बढ़त ने दुनिया के सामने ऊर्जा सुरक्षा का नया संकट खड़ा कर दिया है। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है और तेल परिवहन के महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं तो आने वाले समय में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है।

सऊदी अरब ने झेन हमले के बाद अपनी करीब 1200 किलोमीटर लंबी पूर्वी-पश्चिमी तेल पाइपलाइन को एहतियाती कदम के तौर पर अस्थायी रूप से बंद कर दिया। यह पाइपलाइन सऊदी तेल परिवहन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है और इसके बंद होने की खबर ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों की चिंता बढ़ा दी। सऊदी विदेश मंत्रालय ने हमले के लिए इराक से उड़ाए गए कई झेन को जिम्मेदार बताया। हमले में लोगों के घायल होने की भी खबर सामने आई। सऊदी अरब ने तत्काल जवाबी कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया और इराकी सरकार को आवश्यक कदम उठाने का अवसर दिया, लेकिन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के अधिकार को स्पष्ट रखा।

इराक सरकार ने भी हूती हमले की निंदा की। जांच में झेन के इराक से उड़ाए जाने की पुष्टि के बाद एक सैन्य कमांडर को हटाया गया। इसके बाद इराक ने एहतियाती कदम उठाते हुए ईरान के साथ शलमचेह सीमा चौकी भी बंद कर दी। इससे स्पष्ट है कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष अब आसपास के देशों की सुरक्षा व्यवस्था और आपसी संबंधों को भी प्रभावित कर रहा है। जुलाई में अमेरिका और सऊदी अरब की ओर से इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर की गई कार्रवाई ने भी क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाया था।

सबसे बड़ी चिंता तेल को लेकर है। पश्चिम एशिया दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। इस क्षेत्र में युद्ध की स्थिति बनी रहने से तेल उत्पादन के साथ-साथ उसके परिवहन पर भी खतरा बढ़ जाता है। लाल सागर और होरमुज जलडमरूमध्य जैसे समुद्री मार्गों में किसी भी तरह की बड़ी बाधा का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ सकता है। तेल महंगा होने का असर केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, उद्योग, विजली, खाद्य वस्तुओं और रोजमर्रा की ज़रूरतों की कीमतों पर भी पड़ता है। इसलिए पश्चिम एशिया का युद्ध दुनिया के लिए ऊर्जा संकट के साथ आर्थिक संकट भी पैदा कर सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यवर्धि चुनाव के बाद युद्ध समाप्त हो सकता है और इसके साथ तेल की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। उनका कहना है कि ईरान इस संघर्ष को चुनाव तक खींचने का प्रयास कर रहा है। ट्रंप के अनुसार युद्ध समाप्त होने के बाद बाजार में अनिश्चितता कम होगी और तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ सकती हैं। लेकिन इस दावे का वास्तविक परिणाम क्या होगा, यह समय ही बताएगा। तेल की कीमत केवल राजनीतिक घोषणाओं से तय नहीं होती। आपूर्ति, मांग, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और प्रमुख तेल उत्पादक देशों की स्थिति भी इसमें बड़ी भूमिका निभाती है। दूसरी ओर ईरान की ओर से भी अमेरिका के रुख पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान ईरान के राष्ट्रपति समुद्र घंजेस्कियन का बयान इस पूरे संकट के बीच विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया को अमेरिका जैसे किसी क्षेत्रीय पुलिसकर्मी की आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार क्षेत्र की सुरक्षा और यहां के देशों की सीमाओं की रक्षा की जिम्मेदारी इसी क्षेत्र के देशों और उसके प्रमुख खिलाड़ियों की होनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान युद्ध नहीं चाहता और न ही इस संघर्ष को आगे बढ़ाना चाहता है। नई दिल्ली से आया ईरानी राष्ट्रपति का संदेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत पश्चिम एशिया के सभी प्रमुख देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखते हुए शांति और स्थिरता का पक्षधर रहा है। भारत के लिए इस संघर्ष का सीधा संबंध उसकी ऊर्जा सुरक्षा से है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में होरमुज जलडमरूमध्य या लाल सागर के रास्ते तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो उसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

विनोद सिंह ‘तकियावाला’

युवा इंजीनियरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और विनिर्माण के संगम से बदल रही भारत की अर्थव्यवस्था; प्रधानमंत्री मोदी ने कहा -नीति से आगे बढ़कर अब भारत में बन रहे हैं चिप और वैश्विक बाजार तक पहुंच रही है, भारतीय तकनीक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को सेमीकॉन इंडिया 2026 के पाँचवें संस्करण का उद्घाटन किया। 17 से 19 सितंबर तक चलने वाले इस इ सेमीकॉन इंडिया 2026 का विषय है- ‘सिलिकॉन से सिस्टम तक : इकोसिस्टम का निर्माण’। 52 देशों की भागीदारी, 600 से अधिक प्रदर्शक, 150 से अधिक वक्ता छह देश मंडप और 12 राज्य मंडप इस आयोजन को वैश्विक तकनीकी संवाद का महत्वपूर्ण मंच बना रहे हैं। सर्व विदित रहे कि सेमीकॉन इंडिया 2026 का महत्व केवल इसकी भव्यता और वैश्विक भागीदारी में नहीं है।इसका वास्तविक महत्व उस परिवर्तन में छिपा है,जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने अपने उद्घाटन संबोधन में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा अब परियोजनाओं की घोषणा और निर्माण के चरण से आगे बढ़कर वाणिज्यिक उत्पादन तक पहुँच गई है।उनके अनुसार पहले सेमीकॉन आयोजन में नीतियों पर चर्चा हुई,फिर परियोजनाओं और शिलान्यास की बात आई,पिछले वर्ष पायलट लाइन और टेस्ट चिप की चर्चा हुई और अब भारतीय संयंत्रों से तैयार चिप ग्राहकों तक पहुँचने लगी है।यही बदलाव विकसित भारत 2047 की बड़ी तस्वीर को समझने की कुंजी भी है।भारत ने लंबे समय तक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में मुख्यतः उपभोक्ता बाजार के रूप में अपनी पहचान बनाई। मोबाइल फोन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक भारत में खपत तेजी से बढ़ी,लेकिन उसके पीछे लगने वाली चिप तकनीक का बड़ा हिस्सा बाहर से आता रहा।आज तस्वीर बदलने की कोशिश हो रही है।अब लक्ष्य केवल चिप का इस्तेमाल करना नहीं,बल्कि उसके डिजाइन से लेकर निर्माण,पैकेजिंग, परीक्षण, उपकरण,सामग्री और अंततः चिप से तैयार सिस्टम तक पूरी मूल्य श्रृंखला को भारत में मजबूत करना है।इससिलिए इस वर्ष का ‘सिलिकॉन से सिस्टम तक’ विषय अपने भीतर एक बड़ी आर्थिक कहानी समेटे हुए है।यशोभूमि में प्रदर्शित ‘सैंड से सिलिकॉन से सिस्टम’ मूल्य श्रृंखला यह दिखाती है कि भारत की महत्वाकांक्षा केवल किसी एक फैब या पैकेजिंग इकाई तक सीमित नहीं है।लक्ष्य एक



ऐसा व्यापक परिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है,जिसमें डिजाइनर, इंजीनियर,निर्माता,उपकरण कंपनियाँ,कच्चे माल के उत्पादक, शोध संस्थान,स्टार्टअप और अंतिम इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली बनाने वाली कंपनियाँ एक-दूसरे से जुड़े।यहीं से विकसित भारत 2047 का सपना सेमीकॉन इंडिया 2026 से जुड़ता है।

2047 में भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा।उस समय भारत की अर्थव्यवस्था कैसी होगी, उसकी वैश्विक तकनीकी भूमिका क्या होगी और उसके युवाओं के पास किस प्रकार के रोजगार होंगे,इन प्रश्नों के उत्तर आज की नीतियों और निवेश से तैयार होंगे।सेमीकंडक्टर क्षेत्र इस भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल एक उद्योग नहीं,बल्कि अनेक उद्योगों की आधारभूत तकनीक है।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भारत की इस यात्रा को नई गति मिलने की बात कही और यह भी रेखांकित किया कि भारत ने कुछ ही वर्षों में वह प्रगति की है,जिसमें सामान्यतः अधिक लंबा समय लगता है। उन्होंने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को दूसरे चरण में प्रवेश करने वाला बताया।साथ ही उन्होंने उद्योग जगत से अनुसंधान एवं विकास में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और भारत

तथा विदेशों में शोध कर रहे युवा वैज्ञानिकों और प्रतिभाओं को देश की उन्नत तकनीकी यात्रा से जुड़ने का आग्रह किया।युवा इंजीनियर इस पूरी कहानी का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय हैं।सेमीकंडक्टर उद्योग में केवल पूंजी लगाने से कारखाना खड़ा नहीं होता। इसके लिए डिजाइन इंजीनियर, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स विशेषज्ञ, सामग्री वैज्ञानिक,उपकरण इंजीनियर,सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ, पैकेजिंग विशेषज्ञ,परीक्षण विशेषज्ञ और अनुसंधानकर्ता चाहिए।यही कारण है कि सेमीकॉन इंडिया 2026 में वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन और छात्र हैकथॉन जैसे कार्यक्रमों को भी स्थान दिया गया है।लगभग 40 स्टार्टअप वाला स्टार्टअप पवेलियन भी यह संदेश देता है कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा केवल बड़ी कंपनियों की कहानी नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में युवाओं को चिप डिजाइन का प्रशिक्षण दिए जाने और उन्हें स्वयं चिप डिजाइन करने के अवसर मिलने की चर्चा की।यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है। इंजीनियरिंग की शिक्षा अब केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रह सकती।भारत को ऐसे इंजीनियर चाहिए जो सामस्या को समझें,डिजाइन तैयार करें, प्रयोग करें,असफल हों और फिर नया समाधान विकसित करें। प्रयोगशाला से उद्योग और उद्योग से बाजार तक

जाने वाली यही संस्कृति विकसित भारत की तकनीकी नींव बनेगी।सेमीकॉन 2.0 इसी दिशा में अगला कदम है।इस कार्यक्रम का जोर केवल बड़े सिलिकॉन फैब पर नहीं, बल्कि डिजाइन,विशेषीकृत फैब, उन्नत पैकेजिंग,उपकरण एवं चटक निर्माण,कच्चे माल, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा निर्माण जैसे क्षेत्रों पर है। यानी सरकार अब पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की दिशा में बढ़ रही है। कार्यक्रम में चिप डिजाइन, उपकरण और सामग्री से लेकर अनुसंधान और कौशल तक अनेक स्तरों को समर्थन देने की व्यवस्था की गई है।इसका सीधा संबंध भारत की अर्थव्यवस्था से है।भारत को यदि 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनना है तो उसे उच्च मूल्य वाले विनिर्माण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी होगी। सेवा क्षेत्र ने भारत को वैश्विक पहचान दी है,लेकिन आने वाले समय में विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स,सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन,हैरिस्ट उर्जा,अंतरिक्ष और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्र आर्थिक विकास के नए इंजन बन सकते हैं।सेमीकंडक्टर इन सभी क्षेत्रों के बीच एक साझा कड़ी है।

एक चिप केवल एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक घटक नहीं है। इसके पीछे डिजाइन सॉफ्टवेयर से लेकर अत्यंत शुद्ध सामग्री,विशेष मशीनें,रसायन, गैसें, परीक्षण प्रयोगशालाएँ,

पैकेजिंग तकनीक और प्रशिक्षित मानव संसाधन की पूरी श्रृंखला होती है।इसलिए भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार होने का अर्थ हजारों प्रत्यक्ष नौकरियों के साथ उससे जुड़े अनेक सहायक उद्योगों, सेवाओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकास भी है।इससिलिए सेमीकॉन इंडिया 2026 को रोजगार और युवा उद्यमिता के दृष्टिकोण से भी देखना आवश्यक है।अतीत के आने वाले वर्षों में चिप डिजाइन,एम्बेडेड सिस्टम,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स,ऑटोमेशन,इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा सेंटर और स्मार्ट विनिर्माण के क्षेत्र में नई विशेषज्ञता की मांग बढ़ेगी।भारत के इंजीनियरिंग संस्थानों के सामने यह अवसर है कि वे अपने पाठ्यक्रम और प्रयोगशालाओं को भविष्य की इन जरूरतों से जोड़ें।प्रधानमंत्री ने उद्योग से अनुसंधान एवं विकास की जिम्मेदारी अधिक सक्रियता से लेने का आह्वान भी इसी संदर्भ में किया।भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि शोध को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुँचाने की गति कैसे बढ़ाई जाए। यदि विश्वविद्यालय में तैयार तकनीक उद्योग तक नहीं पहुँचती और उद्योग की समस्या शोध संस्थानों तक नहीं पहुँचती,तो दोनों की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पाता।सेमीकंडक्टर जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र में यह दूरी और भी कम करनी होगी।भारत के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव परिदृश्य भी एक अवसर लेकर आया है।दुनिया अब ऐसे नए और भरोसेमंद स्थान चाहती है जहाँ महत्वपूर्ण तकनीकों का उत्पादन विविधीकृत रूप में किया जा सके।प्रधानमंत्री ने भी कहा कि दुनिया को चिप निर्माण के लिए नए और भरोसेमंद स्थानों की आवश्यकता है और भारत स्वयं को एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है।इस अवसर का लाभ केवल निवेश आकर्षित करके नहीं उठाना जा सकता।इसके लिए गुणवत्ता,समयबद्ध उत्पादन, विश्वसनीय उर्जा,पानी, लॉजिस्टिक्स,कुशल मानव संसाधन और अनुसंधान की मजबूत व्यवस्था चाहिए। भारत में सर्पित मातल गलियारों, औद्योगिक गलियारों, बंदरगाहों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे का विस्तार इसी व्यापक औद्योगिक व्यवस्था का हिस्सा है। आधुनिक चिप उद्योग को जिस प्रकार की जटिल आपूर्ति श्रृंखला चाहिए, उसके लिए भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढाँचा दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस पूरी कहानी को और बड़ा बना रही है। एआई के लिए उच्च क्षमता वाली कर्पुटिंग,डेटा सेंटर और उन्नत चिप की आवश्यकता होगी।

तस्वीरों और तालियों के पीछे: ब्रिक्स घोषणापत्र में क्या छुट गया?

निमिषा सिंह

नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन हो चुका है। घोषणापत्र भी सामने है और उसमें आतंकवाद से लेकर व्यापार, युद्ध, वैश्विक संस्थाओं और आर्थिक व्यवस्था तक कई मुद्दों पर बातें दर्ज हैं। लेकिन घोषणापत्र पढ़ते हुए कुछ सवाल लगातार सामने आते हैं। आतंकवाद की कड़ी निंदा हुई, पहलगाम का जिक्र हुआ, लेकिन पाकिस्तान का नाम नहीं लिया गया। एकतरफा टैरिफ और आर्थिक दबावों पर चिंता जताई गई, लेकिन किसी देश या नेता का नाम नहीं लिया गया। गाजा पर अपेक्षाकृत स्पष्ट बात हुई, जबकि यूक्रेन संकट का अलग से कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग फिर दोहराई गई, लेकिन भारत की स्थायी सदस्यता अभी भी एक मांग ही है। तो फिर इस सम्मेलन से हासिल क्या हुआ? और उससे भी बड़ा सवाल—जो कुछ हासिल हुआ, वह कितना टिकाऊ है और कितना आने वाले दिनों में वास्तविक कार्रवाई में बदल पाएगा? ब्रिक्स की कहानी को केवल उपलब्धियों की सूची बनाकर पढ़ना आसान है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति इतनी सीधी नहीं होती। यहां हर देश अपने हित के साथ मेज पर बैठा है। सहमति बनती है तो कई बार भाषा को नरम करना पड़ता है, कुछ बातें घुमा कर कहनी पड़ती हैं और कुछ नाम लेने से बचना पड़ता है। नई दिल्ली के घोषणापत्र को भी इसी नजर से पढ़ने की जरूरत है। क्योंकि इसमें जो लिखा है, वह महत्वपूर्ण है। लेकिन जो नहीं लिखा गया, वह भी

कम महत्वपूर्ण नहीं। आतंकवाद के सवाल को ही लें। घोषणापत्र में 22 अप्रैल 2025 के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई है। आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ जोरो टॉलेंस की बात है। आतंकवाद के विचोषण, सुरक्षित ठिकानों और सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत भी जताई गई है। लेकिन पाकिस्तान का नाम नहीं है। भारत के लिए यह सवाल स्वाभाविक है। जब पहलगाम का नाम लिया गया है और आतंकवाद के सीमा-पार आयाम की बात की गई है, तो फिर उस संदर्भ में किसी देश का नाम लेने से परहेज क्यों? इसका एक जवाब कूटनीति में छिपा है। ब्रिक्स अब कई देशों का बड़ा समूह है। इनके अपने हित और अलग-अलग आपसी रिश्ते हैं। ऐसे में सभी को एक भाषा पर सहमत करना आसान नहीं है। लेकिन दूसरा सवाल भी उठना ही जरूरी है। अगर समस्या की पहचान सबको है, तो उसके राजनीतिक स्रोत पर स्पष्टता लाने में इतनी हिचक क्यों? टैरिफ के मामले में भी कुछ ऐसा ही है। घोषणापत्र में एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों पर गंभीर चिंता जताई गई है। एकतरफा आर्थिक दबाव और प्रतिबंधात्मक उपायों की भी विरोध किया गया है। लेकिन इस हिस्से में किसी देश या नेता का नाम नहीं लिया गया। यहां मामला सिर्फ अमेरिका या डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेने का नहीं है। असली सवाल उस बदलती वैश्विक व्यापार व्यवस्था का है, जिसमें टैरिफ अब केवल आर्थिक फैसला नहीं रह गए हैं। वे राजनीतिक दबाव बनाने का औजार भी बन चुके हैं। ब्रिक्स अगर

वैश्विक दक्षिण की आवाज बनने की बात करता है तो उसे यह देखना होगा कि ऐसी व्यापार नीतियों का असर विकासशील देशों पर कितना पड़ता है। छोटे देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर बढ़ती लागत का बोझ कौन उठाता है? और क्या ब्रिक्स के पास इस दबाव का कोई व्यावहारिक विकल्प है? यहीं घोषणाओं और उनके प्रभाव के बीच का अंतर सामने आता है। युद्ध और संघर्ष का सवाल इससे भी ज्यादा पेचीदा है। गाजा को लेकर घोषणापत्र में युद्धविराम, मानवीय सहायता, फलस्तीनी लोगों के अधिकार और फलस्तीन की संयुक्त राष्ट्र में पूर्ण सदस्यता के समर्थन जैसी बातें दर्ज हैं। दो-राष्ट्र समाधान का भी समर्थन किया गया है। लेकिन कसौटी पर देखा जा सकता है? क्या ब्रिक्स ऐसी दुनिया में सिर्फ एक संघर्ष नहीं है? यूक्रेन भी है।

वहां लंबे समय से युद्ध चल रहा है और उसका असर यूरोप से बाहर तक पहुंचा है। उर्जा, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था तक इससे प्रभावित हुई है। इसके बावजूद नई दिल्ली घोषणापत्र में यूक्रेन संकट का अलग और स्पष्ट उल्लेख दिखाई नहीं देता। तो क्या हर युद्ध और हर संघर्ष को एक ही कसौटी पर देखा जा सकता है? क्या ब्रिक्स ऐसी साझा नीति बना सकता है, जो उसके सभी सदस्यों पर समान रूप से लागू हो? यह आसान नहीं है। लेकिन वैश्विक राजनीति को देखने के नजरिए हैं। चीन और भारत के बीच अपने मतभेद हैं। रूस और

पश्चिम के रिश्तों की अपनी जटिलता है। पश्चिम एशिया के देशों के बीच भी अपने हित और समीकरण हैं। ऐसे समूह में सभी को एक घोषणापत्र पर सहमत कर लेना छोटी उपलब्धि नहीं है। इसलिए केवल यह कह देना भी ठीक नहीं होगा कि घोषणापत्र में स्पष्टता है, इसलिए सम्मेलन बिल्कुल रहा। अस्पष्टता कई बार कूटनीति की कीमत होती है। बातचीत का दरवाजा खुला रखने के लिए भाषा को जानबूझकर ऐसा रखा जाता है, जिसमें कोई देश पूरी तरह पीछे हटता हुआ भी न दिखे और कोई दूसरा अपनी हार भी महसूस न करे। लेकिन यही भाषा तब सवालों के घेरे में आती है, जब वह कार्रवाई की जगह लेने लगे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार का मुद्दा भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। घोषणापत्र में सुरक्षा परिषद को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और लोकतांत्रिक बनाने की बात कही गई है। विकासशील देशों, खासकर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका की भूमिका बढ़ाने की मांग की गई है। चीन और रूस ने भारत और ब्राजील की सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका की आकांक्षाओं के समर्थन को भी दोहराया है। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन समर्थन और सीट में फर्क होता है। भारत वर्षों से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग करता रहा है। इसलिए घोषणापत्र में सुधार की मांग और भारत की भूमिका को लेकर समर्थन निश्चित रूप से कूटनीतिक महत्व रखता है। अगर वास्तविक सुधार तभी होगा जब संयुक्त राष्ट्र की मौजूदा संरचना में सचमूच बदलाव आए। यानी यहां भी घोषणा और उपलब्धि के बीच दूरी बनी हुई है।

आर्थिक मोर्चे पर भी तस्वीर कुछ ऐसी ही है। ब्रिक्स ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और सीमा-पार भुगतान के विकल्पों पर काम जारी रखने की बात कही है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक कदम माना जा सकता है। लेकिन किसी साझा मुद्रा या नई आर्थिक व्यवस्था बनाने जैसा कोई ठोस फैसला सामने नहीं आया। बदलाव की इच्छा है, लेकिन रास्ता अभी लंबा है। इसलिए ब्रिक्स को लेकर दो तरह की अंतियों से बचना होगा। एक तरफ इसे तत्काल पश्चिमी आर्थिक व्यवस्था का विकल्प मान लेना सीधा नहीं होगा। दूसरी तरफ इसकी हर पहल को दिखावा कह देना भी ठीक नहीं है। ब्रिक्स की ताकत उसकी विविधता में है और उसकी कमजोरी भी शायद वहीं है। इतने अलग-अलग हितों वाले देश एक साथ बैठकर कुछ मुद्दों पर सहमत होते हैं, तो यह अपने आप में महत्वपूर्ण है। लेकिन साझा भाषा और साझा कार्रवाई एक चीज नहीं है। यही फर्क हमें नई दिल्ली घोषणापत्र को पढ़ते समय याद रखना होगा। आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट सहमति है। एकतरफा टैरिफ और आर्थिक दबावों पर चिंता है। वैश्विक संस्थाओं में विकासशील देशों की भागीदारी बढ़ाने की मांग है। गाजा और फलस्तीन को लेकर स्पष्ट रुख है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और सीमा-पार भुगतान लेकिन इन घोषणाओं की असली कसौटी आगे तय होगी। क्या आतंकवाद के खिलाफ बनी सहमति किसी ठोस अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई तक पहुंचेगी? क्या व्यापारिक दबावों के खिलाफ बनें हई बातें विकासशील देशों को वास्तविक राहत देगी।

तस्वीरें खिंच चुकी हैं, तालियां बज चुकी हैं और नई दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स सम्मेलन का आधिकारिक घोषणापत्र भी दुनिया के सामने है। आतंकवाद से लेकर व्यापार, वैश्विक संस्थाओं और भू-राजनीतिक संघर्षों तक—इस दस्तावेज़ में मुद्दे का एक लंबा फेहरिस्त मौजूद है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति की सतह के नीचे हमेशा एक ओर धारा बहती है। सवाल यह नहीं है कि मंच से क्या कहा गया, बल्कि असली सवाल यह है कि किन नामों को लेने से परहेज किया गया, किन संकटों पर चुप्पी साधी गई और कूटनीतिक समझौते को इस वाद के नीचे कौन से राव छिपाए गए? नई दिल्ली का यह घोषणापत्र अपनी खूबियों के साथ-साथ कई अनकहे सवालों को भी पीछे छोड़ गया है, जिन्हें टटोले बिना इस सम्मेलन के वास्तविक मायने समझ पाना अधूरा होगा।

उदय शांति वृद्धा आश्रम का शुभारंभ बुजुर्गों को मिला सम्मान और अपनत्व का नया ठिकाना, स्वास्थ्य मंत्री ने किया 25 सीटर आश्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा और ‘सेवा संकल्प अभियान 2026’ को समर्पित



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले के नगर पंचायत झगरखांड के वार्ड क्रमांक 01 गेला झरिया दफाई, नॉर्थ जे.के.डी. में समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित संस्था ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित उदय शांति वृद्धा आश्रम का लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कर-कमलों से फ़ीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया गया। ‘सेवा संकल्प अभियान 2026’ के अंतर्गत आयोजित इस ग़रिमायय कार्यक्रम में बुजुर्गों के सम्मान और उनके बेहतर जीवन के लिए संवेदनशील पहल की शुरुआत हुई इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री

संतन देवी जांगड़े, प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण सुश्री अंजना रोस बेक, नई लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, झगरखांड नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीमा यादव, समस्त पाषंद सहित जनप्रतिनिधि संस्था के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे उदय शांति वृद्धा आश्रम 25 सीटर है जहां बुजुर्गों को सुर्क्षित, सम्मानजनक और पारिवारिक वातावरण उपलब्ध करने की पहल की गई है आश्रम के शुभारंभ के अवसर पर प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण सुश्री अंजना रोस बेक ने सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि जिले में इस नए वृद्धा

आश्रम का शुभारंभ बुजुर्गों के लिए संवेदनशील और मानवीय पहल है। उन्होंने बताया कि यह 25 सीटर आश्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा और आज से प्रारंभ सेवा संकल्प अभियान के तहत समर्पित किया गया है उन्होंने बताया कि 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के विभिन्न वृद्धा आश्रमों में भी दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य बुजुर्गों के आशीर्वाद और उनके अनुभवों को समाज की सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ना है। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने आश्रम के शुभारंभ पर उपस्थित सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि 25 सीटर वृद्धा आश्रम का प्रारंभ जिले के लिए महत्वपूर्ण पहल है उन्होंने आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि आश्रम में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर जिला प्रशासन को तत्काल अवगत कराया जाए उन्होंने बुजुर्गों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते

हुए उन्हें समय-समय पर गार्डन, पर्यटन स्थल और बाजार भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बुजुर्गों से कहा कि वे अपनी रूचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें सिलाई, खेलकूद, पढ़ना-लिखना अथवा अन्य रचनात्मक गतिविधियां करते के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाए समाज कल्याण विभाग को नियमित रूप से विभिन्न गतिविधियों आयोजित करते तथा योगाभ्यास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए नई लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा ने वृद्धा आश्रम के शुभारंभ पर सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि आश्रम में गार्डनिंग, पढ़ाई, सिलाई सहित विभिन्न गतिविधियां निरंतर संचालित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों में उनका और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का हसंसभव सहयोग रहेगा उन्होंने सामाजिक संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों को ऐसे मानवीय कार्यों में आगे आकर सहयोग करना चाहिए स्वास्थ्य मंत्री

श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन पूरे देश के लिए विशेष है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 25 वर्षों से देश और समाज की सेवा की है। इसी भावना के साथ इस वर्ष ‘सेवा संकल्प अभियान’ के माध्यम से सेवा कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है उन्होंने कहा कि बुजुर्ग समाज की धरोहर हैं और उनकी सेवा एवं देखभाल करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने समाज कल्याण विभाग एवं ग्राम विकास समिति द्वारा बुजुर्गों के लिए किए जा रहे इस प्रयास की सराहना की उन्होंने समाज कल्याण विभाग से कहा कि आज बुजुर्ग माताओं के हाथों जहां भी

‘आशीर्वाद का दीया’ जलाया जाएगा, वहां उनके आशीर्वाद से देश के उज्ज्वल भविष्य और विजन 2047 के संकल्प को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा केवल एक संस्थागत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक दायित्व भी है। कई बार परिस्थितियों के कारण लोग अपने माता-पिता की उस तरह सेवा नहीं कर पाते, जैसी वे करना चाहते हैं। ऐसे में वृद्धा आश्रम उनके लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना है स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस 25 सीटर आश्रम में जिले, प्रदेश और अन्य राज्यों से भी बुजुर्ग आ सकते हैं ।



बदलाव की कहानी सफलता की कहानी मजदूरी से बेटे के उज्ज्वल भविष्य तक : कुन्ती सिंह के परिवार में शिक्षा ने जगाई नई उम्मीद



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। मेहनत – मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाली ग्राम महाराजपुर दरौटोला निवासीकुन्ती सिंह, पति दिनेश सिंह के लिए अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दिलाना एक बड़ा सपना था सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद वह चाहती थीं कि उनका बेटा अच्छी शिक्षा

प्राप्त कर अपने भविष्य को संवार सके अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना ने उनके इस सपने को साकार करने की राह आसान कर दी है मेहनतकश मां की चाहत को मिला सरकारी योजनाओं का सहाय कुन्ती सिंह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं मजदूरी के कार्य के अंतर्गत उनका श्रम विभाग में पंजीयन हुआ था इसी पंजीयन के माध्यम से उनके बेटे को अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना का लाभ प्राप्त हुआ और उसका प्रवेश अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में मंजूर हुआ है और कुन्ती सिंह को अपने बेटे के भविष्य को लेकर नई उम्मीद मिली है शिक्षा के नए अवसर से मजबूत हुआ आत्मविश्वास कुन्ती सिंह के लिए यह योजना उनके बेटे के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है उनका कहना है कि मजदूरी करके परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठाना आसान

योजना के तहत अब कुन्ती सिंह के बेटे को निःशुल्क आवासीय शिक्षा मिल रही है इससे बच्चे की शिक्षा के साथ उसके आवास की सुविधा भी सुनिश्चित हुई है योजना का लाभ मिलने से परिवार पर शिक्षा संबंधी आर्थिक बोझ कम हुआ है और कुन्ती सिंह को अपने बेटे के भविष्य को लेकर नई उम्मीद मिली है शिक्षा के नए अवसर से मजबूत हुआ आत्मविश्वास कुन्ती सिंह के लिए यह योजना उनके बेटे के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है उनका कहना है कि मजदूरी करके परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठाना आसान

नहीं था। अब बेटे को निःशुल्क आवासीय शिक्षा मिलने से उन्हें राहत मिली है और विश्वास है कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ेगा सरकार के प्रयासों को कुन्ती सिंह ने दिया धन्यवाद अपने बेटे को मिले इस अवसर से खुशकुन्ती सिंह ने श्रम विभाग एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि मेरे बच्चे का एडमिशन अटल उत्कृष्ट योजना के तहत हुआ है और अब मेरे बच्चे को निःशुल्क आवासीय शिक्षा मिल रही है। इसके लिए मैं श्रम विभाग तथा मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं।

नवोदय विद्यालय में 9वीं और 11वीं में प्रवेश का मौका, 30 सितंबर तक करें आवेदन एमसीबी के विद्यार्थियों के लिए लेटरल एंट्री चयन परीक्षा 10 अप्रैल 2027 को, आवेदन प्रक्रिया निःशुल्क



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश का अवसर है। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, केनापारा (बैकुंठपुर), जिला कोरिया में शैक्षणिक सत्र 2027–28 के लिए कक्षा 9वीं एवं 11वीं में लेटरल एंट्री चयन परीक्षा (LEST) के माध्यम से प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। एमसीबी

जिला वर्तमान में जवाहर नवोदय विद्यालय केनापारा के शैक्षणिक क्षेत्राधिकार में आता है कक्षा 9वीं और 11वीं में प्रवेश के इच्छुक पात्र विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं आवेदन के लिए किसी प्रकार का शुल्क निर्धारित नहीं किया गया है एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर विकासखंड के वे विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं, जो वर्तमान में मान्यता प्राप्त विद्यालयों में क्रमशः कक्षा 8वीं अथवा 10वीं में अध्ययनरत हैं। प्रवेश निर्धारित पात्रता और चयन परीक्षा के आधार पर होगा विद्यार्थी इंटरनेट सुविधा वाले कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल के माध्यम से घर बैठे आवेदन कर सकते हैं ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थी नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) अथवा विद्यालय, केनापारा में स्थापित सहायक केंद्र से सहायता ली जा सकते हैं कक्षा 9वीं एवं 11वीं के लिए अलग-अलग

ऑनलाइन आवेदन लिंक निर्धारित किए गए हैं आवेदन से पहले विद्यार्थियों को पात्रता, आवश्यक दस्तावेज और दिशा-निर्देश ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी गई है। जवाहर नवोदय विद्यालय की जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट navodaya.gov.in](https://www.navodaya.gov.in/?utm_source=chatgpt.com) पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है जारी अधिसूचना के अनुसार कक्षा 9वीं एवं 11वीं में लेटरल एंट्री के लिए चयन परीक्षा 10 अप्रैल 2027 को आयोजित होगी। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अंतिम समय का इंतजार किए बिना सतथि पर आनंद करने की अपील की है ऑनलाइन आवेदन में तकनीकी समस्या आने पर जवाहर नवोदय विद्यालय, केनापारा में स्थापित सहायक केंद्र से सहायता ली जा सकती है।

मादक पदार्थ तस्करी पर पुलिस की कार्रवाई, तीन दिन में 96.41 लाख की संपत्ति जब्त मंदसौर, नीमच, रीवा, जबलपुर समेत कई जिलों में कार्रवाई गांजा, डोडाचूरा, स्मैक और एमडी बरामद

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार और तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पिछले तीन दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 96 लाख 41 हजार रुपए से अधिक कीमत के मादक पदार्थ तस्करी में प्रयुक्त वाहन और अन्य सामग्री जब्त की है कई मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है।

मंदसौर में तीन कार्रवाई, 37.73 लाख की जब्ती: भानपुरा थाना क्षेत्र की भैसादामंडी चौकी पुलिस ने दो अंतरराज्यीय तस्करी को गिरफ्तार कर 160 ग्राम एमडी, 6 किलो 800 ग्राम डोडाचूरा और मोटरसाइकिल सहित करीब 16.83 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की। शामगाढ़ थाना पुलिस ने बोलरो पिकअप से 100 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद कर करीब 10 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की। वहीं नई



आबादी थाना पुलिस ने एमडी ड्रग और डोडाचूरा जब्त कर करीब 10.90 लाख रुपए की संपत्ति बरामद की। तीनों मामलों में कुल 37.73 लाख रुपए से अधिक की जब्ती हुई।

नीमच में 141 किलो डोडाचूरा: रतनगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने 1 क्विंटल 41 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया। इसकी कीमत करीब 21.27 लाख रुपए बताई गई है। मामलों में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

रीवा में 62 किलो से

अधिक गांजा बरामद: चोरहटा थाना क्षेत्र में ऑपरेशन प्रहर 2.0 के तहत पुलिस ने 62.388 किलोग्राम गांजा जब्त कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में बोलरो, टाटा बोल्टो कार और सात मोबाइल सहित करीब 22.73 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई।

देवास, गुना, सिंगरौली और जबलपुर में भी कार्रवाई: देवास के खातेग्राह थाना क्षेत्र में ऑपरेशन प्रहर के तहत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 24 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई,

जिसकी कीमत करीब 2.40 लाख रुपए बताई गई है। गुना के मृगवास थाना क्षेत्र में राजस्थान से स्मैक की तस्करी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 50.86 ग्राम स्मैक और मोटरसाइकिल सहित करीब छह लाख रुपए की संपत्ति जब्त हुई सिंगरौली के चितरंगी थाना क्षेत्र में घर की बाउंड्री में अवैध रूप से उगाए गए गांजे के 11 पौधे जब्त किए गए इनका वजन करीब 8.2 किलोग्राम और अनुमानित कीमत 1.20 लाख रुपए बताई गई है जबलपुर में ब्राइम ब्रांच और मदनमहल थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार कर 10 किलो 168 ग्राम गांजा, मोबाइल और दो बैग सहित करीब 5.08 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई पुलिस के अनुसार मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तस्करी से जुड़े नेटवर्क को विन्धित कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पीएम आवास में अपात्रों को लाभ देने का आरोप, महिलाओं का कलेक्ट्रेट पर धरना

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्र)। जैहवी जनपद पंचायत के चोरभटी गांव की छह महिलाओं ने मुखवार दोपहर कलेक्ट्रेट परिसर के प्रवेश द्वार पर धरना दिया महिलाएं पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिलने से नाराज थीं उनका कहना था कि ग्राम सभा में उन्हें योजना का लाभ देने पर सहमति बनी थी, इसके बावजूद उन्हें लाभ से वंचित किया गया महिलाओं ने आरोप लगाया कि पंचायत में आवेदन और सहमति के बावजूद कुछ पात्र हितग्राहियों को अपात्र बताकर लाभ से बाहर कर दिया गया। वहीं, नौकरपेशा और आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों को लाभ दिए जाने का आरोप लगाया राम बाई राठौर ने पंचायत सचिव और रोजगार सहायक पर

अनियमितता के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की धरने की सूचना मिलने पर कोतवाली महिला पुलिस और जिला पंचायत परियोजना अधिकारी उमेश द्विवेदी मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने महिलाओं से चर्चा कर उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया महिलाओं ने बताया कि करीब एक महीने पहले भी उन्होंने शिकायत की थी, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई परियोजना अधिकारी ने बताया कि राम बाई के आवेदन की जांच में चार अपात्र लोगों को योजना का लाभ दिए जाने की बात सामने आई है संबंधित हितग्राहियों से राशि वसूली की कार्रवाई की जाएगी पंचायत सचिव और रोजगार सहायक को नॉटिस जारी किए गए हैं जांच में दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बागड़ा के जंगल में मिट्टी का अवैध उत्खनन, वन विभाग ने जेसीबी जब्त की



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सोहागपुर वन परिक्षेत्र के बागड़ा जंगल में वन भूमि से मिट्टी के अवैध उत्खनन का मामला सामने आया है वन विभाग की टीम ने बुधवार शाम रात के दौरान कार्रवाई करते हुए मौके से एक जेसीबी मशीन जब्त की। प्रारंभिक जांच में जंगल से 50 से अधिक डंपर मिट्टी निकाले जाने की आशंका जताई जा रही है वन विभाग के अनुसार विशेष निगरानी दल को उपपरिक्षेत्र बागड़ा के उत्तर बागड़ा परिसर स्थित कक्ष क्रमांक आरएफ-322 में मिट्टी का उत्खनन होता मिला। मौके पर मौजूद जेसीबी को जब्त कर उपपरिक्षेत्र बागड़ा चौकी में खड़ा कराया गया है टीम ने जेसीबी ऑपरेटर से मशीन के संचालन और मिट्टी उत्खनन से संबंधित दस्तावेज मागे, लेकिन वह वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका पूछताछ के दौरान ऑपरेटर

द्वारा उत्खनन और मशीन संचालन से जुड़े अलग-अलग दौ व्यक्तियों के नाम बताए जाने की बात भी सामने आई है वन विभाग अब इन जानकारीयों की जांच कर रहा है सोहागपुर रेंजर हेमंत शर्मा के अनुसार फॉरेस्ट क्षेत्र के साथ राजस्व क्षेत्र में भी मिट्टी उत्खनन के निशान मिले हैं मौके तक पहुंचने वाले रास्ते पर बड़ी संख्या में भारी वाहनों के टायरों के निशान मिले हैं जिससे बड़े स्तर पर मिट्टी निकाले जाने का अनुमान है विभाग अवैध उत्खनन में शामिल लोगों और निकाली गई मिट्टी की मात्रा की जानकारी जुटा रहा है कार्रवाई में परिक्षेत्र अधिकारी हेमंत शर्मा, परिक्षेत्र सहायक मुकेश दारसिया सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे विभाग द्वारा मामले की जांच के बाद जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

त्वरित राहत और अधीनस्थों को बेहतर मार्गदर्शन प्रभावी पुलिस नेतृत्व की पहचान : डीजीपी मकवाणा



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र) पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से हाल ही में प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके 10 सहायक पुलिस अधीक्षक (आईपीओ) अधिकारियों ने पुलिस मुख्यालय में सौजन्य भेंट की। इस दौरान डीजीपी ने अधिकारियों से

पुलिस व्यवस्था को प्रभावी बनाने में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। जनता की शिकायतों का समाधान पुलिसिंग की प्रारंभिक जिम्मेदारियों में शामिल है उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीछड़ा की शिकायत को प्रारंभिक स्तर पर ही गंभीरता से समझकर उसके निराकरण का प्रयास किया जाए, ताकि उसे त्वरित राहत मिल सके उन्होंने कहा कि पुलिस नेतृत्व में ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ प्रभावी पर्यवेक्षण भी जरूरी है। अधिकारी अपने अधीनस्थों के कार्यों की नियमित समीक्षा करें, उनकी समस्याओं को समझें और समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी की जिम्मेदारी केवल कार्यों की निगरानी तक सीमित नहीं है, बल्कि अधीनस्थों का मार्गदर्शन और

आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना भी नेतृत्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है थानों के निरीक्षण के संबंध में डीजीपी ने कहा कि निरीक्षण के दौरान पुलिस कार्यप्रणाली की बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से निरुद्ध नहीं रखा जाए और थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के चालू एवं कार्यशील होने की नियमित जांच की जाए। उन्होंने अधिकारियों को थानों का नियमित एवं औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए डीजीपी ने तत्कनीक आधुनिक पुलिसिंग पर भी जोर दिया। उन्होंने अपराधों और प्रकरणों के निराकरण में उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने की बात कही। हस्तक्षेप (नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) के माध्यम से

उपलब्ध फिंगरप्रिंट संबंधी तकनीकी सहायता का उपयोग कर जांच और अपराध निराकरण को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया उन्होंने थाना फेड को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नियमित फेड के माध्यम से बल की उपस्थिति, अनुशासन वृद्धि, टर्नआउट और आवश्यक निर्देशों की जानकारी सुनिश्चित की जा सकती है अधिकारियों को वरिष्ठ अधिकारियों के नियमित निरीक्षणों में शामिल होकर मैदानी पुलिसिंग की बारीकियां सीखने की सलाह दी इस अवसर पर अधिकारियों ने पुलिसिंग और नेतृत्व से जुड़े सवाल एवं जिज्ञासाएं साझा कीं। डीजीपी ने अपने अनुभवों के आधार पर उनका मार्गदर्शन करते हुए जिम्मेदारी, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

उपलब्ध फिंगरप्रिंट संबंधी तकनीकी सहायता का उपयोग कर जांच और अपराध निराकरण को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया उन्होंने थाना फेड को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नियमित फेड के माध्यम से बल की उपस्थिति, अनुशासन वृद्धि, टर्नआउट और आवश्यक निर्देशों की जानकारी सुनिश्चित की जा सकती है अधिकारियों को वरिष्ठ अधिकारियों के नियमित निरीक्षणों में शामिल होकर मैदानी पुलिसिंग की बारीकियां सीखने की सलाह दी इस अवसर पर अधिकारियों ने पुलिसिंग और नेतृत्व से जुड़े सवाल एवं जिज्ञासाएं साझा कीं। डीजीपी ने अपने अनुभवों के आधार पर उनका मार्गदर्शन करते हुए जिम्मेदारी, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

संक्षिप्त समाचार

छात्रा की मौत के बाद

खाली हुआ हॉस्टल

छात्र-छात्राएं परिजनों के साथ अपने घर गए, पुलिस जांच में जुटी



मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के सीलाना स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल की 12वीं की छात्रा वर्षा सोलंकी की मौत के बाद हॉस्टल में रहने वाले छात्र-छात्राएं अपने परिजनों के साथ घर चले गए। छात्रा की मौत के दूसरे दिन बुधवार शाम तक पूरा हॉस्टल खाली हो गया। इससे हॉस्टल में सननाटा पसरा है। इधर, पुलिस छात्रा की मौत के मामले की जांच कर रही है। छात्रा देवास जिले के मेवाड़ पथ की रहने वाली थी। उसने मंगलवार को हॉस्टल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इससे पहले वह छमाही परीक्षा में अर्थशास्त्र विषय का आखिरी पेपर देने गई थी। परीक्षा के दौरान छात्राओं की जांच में उसके पास तकल की पर्ची मिलने की बात सामने आई। चेकिंग कर रही शिक्षिका प्रीति लांबा ने उसे परीक्षा से बाहर कर हॉस्टल भेज दिया था। इसके बाद उसने हॉस्टल में जाकर फांसी लगा ली।

कक्षा 6 से हॉस्टल में रहकर पढ़ रही थी: वर्षा कक्षा 6 से ही हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। उसका भाई आकाश भी इसी हॉस्टल में रहकर कक्षा 10वीं में पढ़ाई करता है। **रूममेट्स के पहुंचने पर घटना का पता चला:** परीक्षा खत्म होने के बाद जब उसकी रूममेट छात्राएं हॉस्टल पहुंचीं तो वर्षा फंदे पर लटकी मिली। घटना के बाद परिजन और विद्यार्थियों ने मंगलवार रात स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया था। उन्होंने हॉस्टल वार्डन, स्कूल प्रिंसिपल और परीक्षा के दौरान चेकिंग करने वाली शिक्षिका को हटाने के साथ आर्थिक सहायता देने की मांग की थी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विदिशा जिले में वृहद रक्तदान शिविर आयोजित



मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में क्रियान्वित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विदिशा जिले में गुरुवार 17 सितंबर को वृहद स्तर पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में आयोजित इन शिविरों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वास्थ्य विभाग के अमले तथा मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमरहित कुमार ने बताया कि जिले में कुल आठ स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए।

रतलाम 8 लेन पर चंडीगढ़ लेबल वाली शराब बिखरी मिली

बोतलों पर पैकिंग सील नहीं, कार के टूटे पार्ट्स और नंबर प्लेट जब्त

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार रात धामनौद टोल नाके से कुछ दूर आगे सड़क के दोनों हिस्सों के बीच अवैध अंग्रेजी शराब के क्वार्टर बिखरे मिले। शराब की बोतलों पर चंडीगढ़ का लेबल लगा है और ढक्कनों पर पैकिंग सील नहीं है। मौके से कार के टूटे पार्ट्स और दो अलग-अलग चार पहिया वाहनों की नंबर प्लेट भी मिली हैं। पुलिस को आशंका है कि शराब तस्करी के दौरान वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुआ और शराब सड़क किनारे बिखर गई। पुलिस ने 924 क्वार्टर यानी 166.32 बल्क लीटर शराब जब्त की है, जिसकी कीमत 1 लाख 30 हजार 540 रुपए बताई गई है। मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ आवकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत केस दर्ज किया गया है।

गड्डे और पेड़ के पास बिखरी मिली शराब: मंगलवार रात करीब 1 बजे थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को 8 लेन पर नाइट मॉनिटरिंग करने वाले स्टाफ ने दोनों सड़क के बीच शराब की बोतलें बिखरी होने की सूचना दी। इसके बाद एएसआई दिनेश कुमार मावी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। डेलनपुर के पास एक खम्भे के पास गड्डे और टूटे पेड़ के आसपास ऑल



सीजन और रॉयल चैलेंज ब्रांड के क्वार्टर बिखरे मिले। कुछ क्वार्टर प्लास्टिक के दो कट्टों में भी रखे हुए थे।

1 लाख से ज्यादा की शराब जब्त: पुलिस ने शराब की गिनती की तो ऑल सीजन के 688 और रॉयल चैलेंज के 236 क्वार्टर मिले। ऑल सीजन के प्रत्येक क्वार्टर पर 140 रुपए और रॉयल चैलेंज के प्रत्येक क्वार्टर पर 145 रुपए कीमत लिखी थी। पुलिस के अनुसार कुल 166.32 बल्क लीटर शराब मिली, जिसकी कीमत 1 लाख 30 हजार 540 रुपए है। बोतलों पर चंडीगढ़ का लेबल लगा है। पुलिस के मुताबिक बोतलों के ढक्कनों पर पैकिंग सील नहीं थी।

कार के टूटे पार्ट्स और दो नंबर प्लेट मिलीं: बुधवार दोपहर थाना प्रभारी गायत्री सोनी और सब इंस्पेक्टर ध्यानसिंह सोलंकी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने उस जगह की दोबारा जांच की, जहां झाड़ियों के बीच शराब मिली थी। मौके से चार पहिया वाहन के आगे के हिस्से के टूटे पार्ट्स मिले। इसके अलावा दो अलग-अलग चार पहिया वाहनों की नंबर प्लेट भी मिली हैं। इनमें से एक नंबर प्लेट जयपुर के वाहन की बताई जा रही है। पुलिस को मौके पर वाहन के सड़क से नीचे उतरने, पेड़ से टकराने और फिर रिवर्स लेने के पहियों के निशान भी मिले। एक पेड़ भी टूटा हुआ मिला है।

● शराब तस्करी के दौरान हादसे की आशंका

पुलिस को आशंका है कि रात में कार से अवैध रूप से शराब ले जाई जा रही थी। इसी दौरान कार सड़क से नीचे उतरकर पेड़ से टकराई होगी, जिससे शराब बिखर गई। इसके बाद पुलिस की भनक लगने पर अज्ञात आरोपी कार लेकर मौके से निकल गया होगा। हालांकि यह पूरा घटनाक्रम अभी पुलिस की जांच का हिस्सा है। मौके पर कोई वाहन नहीं मिला है, इसलिए कार किसकी थी और शराब कहां से लाई जा रही थी, इसका पता लगाया जा रहा है।

● आसपास के ग्रामीणों के शराब ले जाने की भी आशंका

पुलिस को यह भी आशंका है कि रात में बड़ी मात्रा में शराब बिखरी होगी और अंधेरे का फायदा उठाकर आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के कुछ लोग शराब के क्वार्टर उठाकर ले गए होंगे। पुलिस अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पूछताछ करेगी। आवकारी विभाग को भी सूचना दी गई है। विभाग की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में ऑल सीजन और रॉयल चैलेंज ब्रांड की शराब को लेकर जानकारी जुटाएगी।

● सीसीटीवी में दिखाई सफेद किआ कार

पुलिस ने प्राथमिक तौर पर 8 लेन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी है। इसमें रात के समय सफेद रंग की एक किआ कार गुजरती दिखाई दी है। पुलिस अब फुटेज की विस्तृत जांच कर रही है। इससे यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब मौके तक कैसे पहुंची और क्या सीसीटीवी में सदिग्ध वाहन की आगे की गतिविधि भी दिखाई देती है।

● फोरेंसिक और लैब जांच के लिए भेजे जाएंगे सैंपल

थाना प्रभारी गायत्री सोनी ने बताया कि 8 लेन के मॉनिटरिंग स्टाफ से रात में शराब बिखरी होने की सूचना मिली थी। मौके पर टीम पहुंची, लेकिन कोई वाहन नहीं मिला। घटनास्थल पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ लेबल वाली अलग-अलग ब्रांड की शराब जब्त की गई है। बोतलों पर पैकिंग सील नहीं है।

मंदसौर में 24 घंटे से बारिश नहीं:सीजन में 28.60 इंच बरसात 17 से 20 सितंबर तक हल्का पानी गिरने की संभावना



852.0 मिमी बारिश दर्ज हुई है। मल्हारगढ़ में 795.4, शामगढ़ में 787.8, सुवाकरा में 785.1, भानपुरा में 756.6, गरोठ में 672.2, कयामपुर में 619.5 और सीतामऊ में 494.0 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

17 से 20 सितंबर तक ऐसा रहेगा मौस: 17 सितंबर को बादल-धूप के बीच कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश या गरज-चमक होने की संभावना है। तापमान करीब 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। 18 सितंबर को फिर बारिश के

➡ बदलते मौसम में वायरल संक्रमण के मरीज बढ़े

मौसम में बार-बार हो रहे बदलाव का असर स्वास्थ्य पर भी दिखाई दे रहा है। जिला अस्पताल के डॉ. आकाश चौधरी के अनुसार तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इन दिनों सर्दी-जुकाम, खांसी, वायरल फीवर और गले के संक्रमण के मरीज सामने आ रहे हैं। दस्त और पेट दर्द की शिकायत वाले मरीज भी अस्पताल पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों ने बदलते मौसम में सावधानी बरतने की सलाह दी है। मच्छरों से बचाव के साथ साफ पानी पीने और ताजा भोजन करने पर जोर दिया गया है। पानी को उबालकर पीना बेहतर रहेगा। यदि बुखार दो-तीन दिन तक बना रहता है तो बिना देरी किए चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई है।

आसार हैं और तापमान 27 से 28 डिग्री के आसपास रह सकता है। 19 सितंबर को बारिश की संभावना कम रहेगी और तापमान करीब 29 डिग्री रहने का अनुमान है। 20 सितंबर को तापमान 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। बादल बने रहने के साथ कुछ क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश में सक्रिय मानसूनी सिस्टम का असर अब धीरे-धीरे कमजोर होम की संभावना है। हालांकि स्थानीय मौसम सिस्टम के प्रभाव से मंदसौर सहित पश्चिमी मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों

में हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है। उत्तर-पश्चिमी भारत से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की प्रक्रिया करीब 19 सितंबर से शुरू होने के संकेत हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि मंदसौर में तत्काल बारिश पूरी तरह बंद हो जाएगी। बुधवार को गांधीसागर बांध का जलस्तर 1301.63 फीट दर्ज किया गया। पिछले साल इसी तारीख को बांध का जलस्तर 1309.72 फीट था। इस तरह इस साल समान तारीख की तुलना में बांध का जलस्तर 8.09 फीट कम है।

खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्टवाई, लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूने



मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला विदिशा द्वारा जिले में होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा एवं मिठाई प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। अभियान के तहत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, प्रतिष्ठानों में स्वच्छता एवं साफ-सफाई तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा 15 सितंबर को विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉमिनोज पिज्जा, अव्यक्त रेस्टोरेंट एवं रजवाड़ी स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। अव्यक्त रेस्टोरेंट से पनीर एवं आटा तथा रजवाड़ी स्वीट्स से रसगुल्ला के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी प्रकार 16 सितंबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा ढाबा आशियाना, कल्लू का ढाबा, होटल सयाजी एवं हवेली रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ढाबा आशियाना से चिकन कुरी एवं मटन कुरी के नमूने जांच हेतु लिए गए।

धान खेत में मिला बुजुर्ग किसान का शव

डॉक्टर ने जताई हार्ट अटैक की आशंका, पीएम में देरी पर भड़के परिजन

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के सेमरी तला गांव में बुधवार शाम 60 साल के एक किसान का शव धान के खेत में कीचड़ और पानी के बीच मिला। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। गुरुवार को सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम में देरी होने पर परिजनों ने नाराजगी जताई। डॉक्टरों ने किसान की मौत हार्ट अटैक से होना बताया है। दोपहर 12 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। साड़ियां पुलिस चौकी प्रभारी अमित भारद्वाज ने बताया कि सेमरी तला निवासी काशीराम किरार (60 वर्ष) पिता नन्हेवीर किरार का शव धान के खेत में मिला है। पुलिस ने मार्ग कायम कर गुरुवार को पोस्टमार्टम कराया। मृतक के बेटे गोलू पटेल ने बताया कि उनके पिताजी बुधवार को मवेशी चराने



घर से निकले थे। शाम को खेत में उनका शव मिलने की सूचना मिली। मृतक के तीनो बेटे गोलू पटेल, बृजेश और राजकुमार ने पिता के पोस्टमार्टम में घंटों देरी होने पर नाराजगी जताई। दोपहर 12 बजे परिजन शव लेकर गांव रवाना हुए। **सिर्फ 4 फीट गहरे गड्ढे में मिले:**

चौकी प्रभारी अमित भारद्वाज ने बताया कि घटनास्थल के निरीक्षण में पता चला कि किसान दो खेतों के बीच बनी मेड़ से जा रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह करीब 4 फीट नीचे धान के खेत में कीचड़-पानी में गिर गया।

आलीराजपुर में कई जगह रुक-रुककर बूढ़ाबांदी

बादलों की आवाजाही से मौसम सुहाना, गर्मी से मिली राहत



मीडिया ऑडीटर, आलीराजपुर (निप्र)। आलीराजपुर जिले में गुरुवार को मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से आसमान में बादल छाप रहे और जिले के कई इलाकों में रुक-रुककर हल्की बूढ़ाबांदी हुई। बारिश तेज नहीं थी, लेकिन दिनभर मौसम में बदलाव बना रहा। बूढ़ाबांदी से तापमान में गिरावट आई और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली। आलीराजपुर शहर और जिले के कई ग्रामीण इलाकों में भी बादल आते-जाते रहे। कुछ जगहों पर थोड़ी देर बूढ़ाबांदी हुई, फिर बारिश रुक गई। कुछ समय बाद दोबारा बूढ़ाबांदी शुरू हो गई। रुक-रुककर हो रही बारिश से मौसम सुहाना बना रहा। हालांकि, तेज बारिश नहीं होने से कहीं भी पानी जमा नहीं हुआ। **नगर में होती तेज बारिश:** मौसम में आए इस बदलाव को किसान भी उम्मीद से देख रहे हैं। खरीफ फसलों के लिए यह बारिश फायदेमंद मानी जा रही है। खेतों में फसलों को पानी की जरूरत है, ऐसे में रुक-रुककर हो रही बूढ़ाबांदी से नमी बनी रहने की उम्मीद है। ग्रामीण इलाकों के किसान मौसम पर नजर बनाए हुए हैं।

जिले में अब तक 17 इंच से ज्यादा बारिश: आलीराजपुर जिले में 1 जून से सितंबर के मध्य तक औसतन 16 से 17.57 इंच यानी करीब 446 मिमी बारिश दर्ज की गई है। गुरुवार को भी जिले के कई हिस्सों में रुक-रुककर बूढ़ाबांदी हुई।

एशियाई खेलों में भारत को कई स्वर्ण पदक मिलन की उम्मीदें

नई दिल्ली ,एजेसी। 19 सितंबर से जापान में शुरू होने जा रहे एशियाई खेलों में भारत को भी काफी पदकों की उम्मीद है। उसके कई खिलाड़ी स्वर्ण के भी दावेदार हैं। एशियाई खेलों में साल 2022 में भारत ने 28 स्वर्ण सहित कुल 106 पदक जीते। इस बार, भारतीय दल का लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय दल पिछली उपलब्धियों को दोहराते हुए अपने स्वर्ण पदकों की संख्या को भी बढ़ाना चाहता है। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों इस बार भी अपने खिताब बनाये रखन चाहेंगी। इसी प्रकार भारतीय कबड्डी टीम भी विजेत न होने के कारण स्वर्ण पदक बरकरार रखने की पूरी उम्मीद करेंगी। इसे अलावा कई व्यक्तिगत एथलीट भी हैं जिनसे स्वर्ण पदक की उम्मीदें हैं। कपांडंड तीरंदाजी में भारत की सबसे मजबूत दावेदार

ज्योति सुरेखा वेन्म हैं, जिन्होंने 2022 हांगझोऊ गेम्स में तीन स्वर्ण पदक जीते थे। उनके साथ, धीरज बोम्मादेवरा ने तीरंदारी विश्व कप जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बनकर इतिहास रचा है, और 2026 अंताल्पा विश्वकप में भी स्वर्ण पदक जीता है। इससे वह पुरुष रिकर्व तीरंदाज के तौर पर एक प्रमुख दावेदार बन जाते हैं। वहीं बैडमिंटन में, पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने अपने करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं और कई पदक जीते हैं, और अब एशियन गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक उनकी सूची में अगला लक्ष्य होगा। पुरुषों के एकल में लक्ष्य सेन भी स्वर्ण के मजबूत उम्मीद हैं। उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक पदक जीता था और उसी साल थॉमस कप जीतने में

भी अहम भूमिका निभाई थी। वहीं निशानेबाज में, मनु भाकर से भी स्वर्ण की उम्मीदें हैं। वह भारत की एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। उनके साथ, ईशा सिंह भी अच्छी फॉर्म में हैं। ईशा महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में दुनिया की नंबर 1 और 10 मीटर एयर पिस्टल में नंबर 2 खिलाड़ी हैं। उन्होंने हांगझोऊ में दो व्यक्तिगत रजत पदक और एक टीम स्वर्ण पदक भी जीता था। वेटलिफ्टिंग में, मीराबाई चानू, 49 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण की पबल दावेदार हैं। कुश्ती में, सुजीत कलकल 65 किलोग्राम वर्ग, और अमन सेहरावत, 57 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक के दावेदार हैं। एथलेटिक्स में, अविनाश साबले 3000 मीटर स्टीपलचेज में पदक के प्रबल दावेदार हैं।



शुभमन की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार है भारतीय टीम

केएल राहुल को उपकप्तानी की जिम्मेदारी

मुम्बई ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम शुभमन गिल की कप्तानी और केएल राहुल की उपकप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए उतरेंगी। वहीं इससे पहले बीसीसीआई चयन समिति (बीसीसीआई) ने इस सीरीज के लिए जो टीम घोषित की है। उसमें अनुभवी और युवाओं दोनों को ही जगह मिली है। इस सीरीज में मध्यक्रम की जिम्मेदारी बल्लेबाज केएल राहुल के कंधों पर होगा। इसका कारण है कि एकदिवसीय प्रारूप में राहुल का रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है; अब तक खेले गए मुकाबलों में उनके बल्ले से करीब पचास से अधिक की औसत से रन निकले हैं, जिसमें 7 शतक और 25 से अधिक अर्धशतक शामिल हैं। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने चार और पांच नंबर पर भारतीय टीम को जबर्दस्त मजबूती दी है। इस सीरीज में उन पर केवल रन बनाने की जिम्मेदारी नहीं होगी, बल्कि शुभमन के साथ मिलकर टीम को सही दिशा में आगे बढ़ाने और युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने की भूमिका भी रहेगी। विकेटकीपिंग के विकल्प के रूप में भी राहुल पहली पसंद बने रहेंगे, जबकि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को बैक-अप विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को फिटनेस कारणों से शामिल नहीं किया गया है। राष्ट्रीय चयन समिति ने साफ कर दिया है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम में सीधे पंटी नहीं मिलेगी। हार्दिक पंड्या को भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए पहले भारत ए के लिए खेलकर अपनी मैच-फिटनेस साबित करनी होगी। चयनकर्ताओं का नियम स्पष्ट है कि हार्दिक को एक मैच में कम से कम 10 ओवर गेंदबाजी करके अपनी फिटनेस का प्रमाण देना होगा, जिसके बाद ही एकदिवसीय टीम में उनकी वापसी पर विचार किया जाएगा। हार्दिक के अलावा स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अलग-अलग कारणों से इस वनडे सीरीज से बाहर रहे हैं, जिससे भारतीय वनडे ऑलराउंडर विभाग में रवींद्र जडेजा और युवा नितीश कुमार रेड्डी पर जिम्मेदारी बढ़ गई है। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों की मौजूदगी भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूती प्रदान करती है। इन दोनों अनुभवी बल्लेबाजों के साथ युवा यशस्वी जायसवाल, रतुराज गायकवाड़ और नमन धीर को शामिल कर टीम के बैक-अप को काफी मजबूत बनाया गया है। गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी के बावजूद भारत का पेस और स्पिन अटैक आक्रमण धावरार नजर आ रहा है। तेज गेंदबाजी का नेतृत्व मोहम्मद सिराज करेंगे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 से अधिक एकदिवसीय विकेट लिए हैं। उनके साथ प्रसिद्ध कृष्णा और यूनरु बरार को शामिल किया गया है, जबकि आकिब नबी को पहली बार राष्ट्रीय टीम का बुलावा मिला है। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और अनुभवी रवींद्र जडेजा के हाथों में होगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 27 सितंबर से तीन वनडे मैचों की इस सीरीज का आगाज तिरुवनंतपुरम में होगा।

मध्यप्रदेश की मान्या मिश्रा का भारतीय ताइक्वांडो टीम में चयन

भोपाल/इंदौर ,एजेसी। मध्यप्रदेश राज्य ताइक्वांडो अकादमी की खिलाड़ी मान्या मिश्रा का चयन आईएसएफ जिम्मेसियाड वर्ल्ड स्कूल गेम्स-2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। वे 3 से 8 दिसंबर तक ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में होने वाली प्रतियोगिता के अंडर-63 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मान्या का चयन 14 और 15 सितंबर को रायपुर में आयोजित एसजीएफआई चयन ट्रायल में उनके प्रदर्शन के आधार पर हुआ। वे प्रतियोगिता में ताइक्वांडो के अंडर-63 किलोग्राम वर्ग में भारत की ओर से हिस्सा लेंगी। आईएसएफ जिम्मेसियाड वर्ल्ड स्कूल गेम्स में विभिन्न देशों के स्कूली खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। रियो डी जेनेरियो में होने वाली इस प्रतियोगिता में मान्या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

● खेल मंत्री सारंग जे दी बधाई ●

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मान्या के भारतीय टीम में चयन पर बधाई देते हुए प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। मान्या का चयन अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है। मंत्री ने उम्मीद जताई कि मान्या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर देश और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

पंड्या को फिटनेस और वर्कलोड के कारण नहीं मिली भारतीय टीम में जगह

मुम्बई ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को उस समय झटका लगा जब वेस्टइंडीज के खिलाफ इस माह के अंत में शुरू हो रही एकदिवसीय और टी20 टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को जगह नहीं मिली जबकि लंबे समय से चोटों और फिटनेस संबंधी चिंताओं से जूझ रहे हार्दिक की इस सीरीज के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की उम्मीद थी पर चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में शामिल नहीं किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी फिटनेस और गेंदबाजी के वर्कलोड से जुड़ी सीमाएं ही उनके बाहर रहने की सबसे बड़ी वजह हैं। यह वेस्टइंडीज दौरा भारत के लिए तीन एकदिवसीय और पांच टी20 ह्यू मैचों का होगा, जो भारतीय चयनकर्ताओं के लिए 2027 एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों और खिलाड़ियों की फिटनेस का आकलन करने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में होगी, जिसके बाद मुकाबले गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। वहीं, टी20 सीरीज 6 अक्टूबर को लखनऊ में होगा। हार्दिक का चयन न होने पर उनके प्रशंसकों में सवाल उठने लगे थे, क्योंकि बीसीसीआई की ओर से उनके बाहर रहने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई थी, जिससे कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार, हार्दिक अभी एक मुकाबले में छह ओवर से ज्यादा गेंदबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं। उनकी यह शारीरिक सीमा टीम चयन में एक बड़ी बाधा बनकर सामने आई है। भारतीय टीम में हार्दिक सीम गेंदबाजी ऑलराउंडर की अहम भूमिका निभाते हैं, खासकर एकदिवसीय क्रिकेट में उनसे पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने और पूरे 50 ओवर तक मैदान पर उपस्थित रहने की उम्मीद की जाती है। चयनकर्ता चाहते हैं कि हार्दिक वरिष्ठ टीम में



वापसी से पहले इस वर्कलोड को आराम से संभालने में सक्षम हों, ताकि उनकी वापसी दीर्घकालिक और प्रभावी हो सके। उनकी लगातार चोटों का इतिहास देखते हुए, चयनकर्ता कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर होने के बावजूद, हार्दिक पंड्या को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अक्टूबर में शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। यह फैसला उनके वर्कलोड और फिटनेस पर करीब से नजर रखने के उद्देश्य से लिया गया है। इस दौर के दौरान चयनकर्ता यह सुनिश्चित करना चाहेंगे कि हार्दिक बिना किसी परेशानी के पूरे 10 ओवर गेंदबाजी कर सकें और पूरे 50 ओवर तक फील्डिंग की चुनौतियों का सामना कर सकें।

वाराणसी में भी होंगे डब्ल्यूपीएल के लीग मुकाबले

वाराणसी ,एजेसी। आने वाले समय में वाराणसी में भी महिला क्रिकेट लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले हो सकते हैं। इसके अलावा आईपीएल मुकाबले होने की भी संभावना बन सकती है। एक रिपोर्टों के अनुसार कलात्मक थीम पर बने वाराणसी के अत्याधुनिक स्टेडियम में इन मैचों का आयोजन होगा। इससे उत्तर प्रदेश की उभरती प्रतिभाओं को लाभ मिलने के साथ ही यहां तेजी से खेल का विकास होगा। डब्ल्यूपीएल संचालन परिषद की हाल में हुई बैठक में मुंबई (सीसीआई) और वडोदरा के साथ वाराणसी को भी लीग के आगामी सत्र के लिए संभावित आयोजन स्थलों के रूप में रखा गया है। ये मैच अगले साल जनवरी और फरवरी में आयोजित होने हैं, जबकि आईपीए का आयोजन मार्च से मई तक होता है। मुंबई और



ऋषभ का एकदिवसीय करियर समापन की ओर

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में बैकअप के तौर पर भी नहीं मिला

मुम्बई ,एजेसी। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का एकदिवसीय करियर समाप्त होता दिख रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए ऋषभ का चयन ने होने से साफ है कि चयनकर्ता अब उनसे आगे बढ़ गये हैं। 27 सितंबर से शुरू हो रही इस सीरीज के लिए इस बल्लेबाज को नजरअंदाज किया गया है, जबकि एशियाई खेलों के कारण कई नियमित खिलाड़ी टीम से बाहर हैं। इसके बाद भी ऋषभ को टीम में बैकअप विकेटकीपर के तौर पर जगह नहीं मिलना दिखाता है कि उनकी जगह युवा ध्रुव जुलुल को मिल गया है। चयनकर्ताओं ने तीन मैचों



की एकदिवसीय सीरीज के लिए बैकअप विकेटकीपर के तौर पर युवा ध्रुव जुलुल को चुना है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि ऋषभ अब एकदिवसीय टीम की प्राथमिकताओं में नहीं हैं। यह कदम एक ऐसे समय में उठाया गया है जब टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों की कमी

खलने वाली है, और ऐसे में उनके जैसे अनुभवी खिलाड़ी को मौका न मिलना, एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा लगता है।

अभी भारतीय एकदिवसीय टीम में मुख्य विकेटकीपर की भूमिका के लिए राहुल निभा रहे हैं। राहुल नंबर-5 पर शानदार

बल्लेबाजी करने के साथ-साथ बेहतरीन विकेटकीपिंग भी कर रहे हैं। उन्होंने लंबे समय से इस भूमिका को बखूबी निभाया है। ऋषभ के प्रदर्शन में कमी के कारण ही राहुल को यह मौका मिला था, जिसे उन्होंने दोनों हाथों से भुनाया। इसी कारण वह मुख्य विकेटकीपर से बैकअप बन गए, और अब तो उन्हें टीम से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। ऋषभ ने अपना आखिरी एकदिवसीय साल 2024 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था, जिसमें वे केवल 6 रन बना पाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ यह आगामी सीरीज ऋषभ पंत के एकदिवसीय करियर में वापसी का एक सुनहरा मौका बन सकती थी।

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की सगाई टूटी, मंगेतर आकृति अग्रवाल ने अलग होने की घोषणा की

नई दिल्ली ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की पेशेवर जिंदगी के साथ-साथ निजी जिंदगी भी मुश्किलों से गुजर रही है। पृथ्वी एक बार फिर से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। पृथ्वी की मंगेतर आकृति अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे अलग होने की जानकारी साझा की है। आकृति ने इंस्टाग्राम के जरिए पृथ्वी शॉ से अलग होने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ‘भारी मन से, मैं यह बताना चाहती हूँ कि मेरे मंगेतर और मैंने अपने भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्यों और हालात की वजह से अलग होने का फैसला किया है। हम एक-दूसरे से जितना प्यार और परवाह करते हैं, हमने यह मान लिया है कि हमारे रास्ते साथ रहने के लिए नहीं बने हैं। अपनी जिम्मेदारियों और अभी जिन हालात का हम सामना कर रहे हैं, उन्हें देखते हुए हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।’ आकृति ने आगे लिखा, ‘मैं सच में हम दोनों के लिए आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छी शांति और खुशी की कामना करती हूँ। मैं सभी से अनुरोध करती हूँ कि इस मुश्किल समय में हमारी निजता का सम्मान करें और हमारे फैसले के पीछे के कारणों के बारे में अंदाजा लगाने से बचें। हमारी जगह को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद।

अभिषेक शर्मा आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे



मुम्बई ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। अभिषेक के अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 अंतराष्ट्रीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है। ताजा जारी रैंकिंग में अभिषेक दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जिन्होंने इस दौरान पाकिस्तानी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ दिया है। अब अभिषेक नंबर-1 स्थान पर कायम अपने ही देश के ईशान किशन से केवल 5.1 रेटिंग अंक पीछे हैं। वहीं संजु सैमसन की रैंकिंग में भी सुधार आया है। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में केवल 32 गेंदों पर धुआंधार 82 रनों की पारी खेलकर अपनी बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया था। इसके बाद दूसरे मैच में भी उन्होंने 19 गेंदों में 39 रन की तेज पारी खेली, जो उनकी लगातार बेहतरीन फॉर्म का प्रमाण है। इन दोनों पारियों से उनकी रैंकिंग में तेजी आयी है। उन्होंने पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पछाड़कर यह दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं भारत के ही ईशान किशन शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। इस प्रकार पहले दो स्थान पर भारतीय बल्लेबाज छाये हुए हैं।

वाराणसी में भी होंगे डब्ल्यूपीएल के लीग मुकाबले

वै, ऐसे में संभावना है कि वाराणसी को लीग के अधिक मैचों की मेजबानी मिल सकती है। यह वाराणसी के गंजारी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो अभी अपने अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही क्रिकेट के रोमांच के लिए तैयार माना जा रहा है। बीसीसीआई की योजना के अनुसार, इस नए नये स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मैचों की शुरुआत से पहले, सबसे पहले घरेलू स्तर पर रणजी ट्रॉफी के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। यह अक्टूबर-नवंबर के आसपास हो सकता है, जिससे नई पिच और मैदान की गुणवत्ता तथा तैयारियों का गहराई से आकलन किया जा सके। रणजी ट्रॉफी के आयोजन से स्टेडियम की सुविधाओं और संचालन की दक्षता का भी अंदाजा हो जाएगा।

एशिया कप बार बार बेइज्जत हुए नकवी के समर्थन में आये पूर्व पाक क्रिकेटर



कराची ,एजेसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख मोहसिन नकवी को बार-बार बेइज्जत होने की आदत सी पड़ गयी है। पिछले एक साल में ही दो बार भारतीय टीम ने उनसे ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया पर वह अभी तक सुधरने का नाम नहीं ले रहे। यहां तक की वह जानते थे कि उनसे ट्रॉफी नहीं ली जाएगी फिर उन्होंने ये जिम्मेदारी किसी और को नहीं दी। वहीं पाक के मीडिया और दिग्गज क्रिकेटरों ने नकवी का समर्थन करते हुए कहा कि उनका ही ट्रॉफी देने का अधिकार है। साथ ही भारतीय बोर्ड के उन्होंने घमंडी कहा है। भारतीय महिला टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से करारी शिकस्त देकर रिकॉर्ड आठवीं बार यह खिताब अपने नाम किया। मैच समाप्त होने के बाद जब पुरस्कार वितरण समारोह का समय आया, तो उपविजेता श्रीलंका को उनके पदक और पुरस्कार राशि प्रदान की गई। लेकिन जब विजेता टीम भारत की बारी आई, तो भारतीय खिलाड़ियों ने मंच पर जाने से साफ इनकार कर दिया। लंबे इंतजार और असमंजस की स्थिति के बाद नकवी बिना ट्रॉफी प्रदान किए ही स्टेडियम से बाहर चले गए, और भारतीय टीम बिना स्टेज पर गए वापस लौट गई। वहीं एक साल पहले पिछले पुरुष एशिया कप में भी भारतीय टीम ने उनके हाथों से ट्रॉफी लेने से हंकार किया था। किसी संस्था के प्रमुख के हाथों से ट्रॉफी ने लेना एक बड़ी बेइज्जती मानी जाती है। वहीं इस घटना पर पाकिस्तानी मीडिया और कुछ पूर्व क्रिकेटर्स की प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं, जो पाकिस्तान की रही-सही इज्जत भी उतरती नजर आईं। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए नकवी की तारीफ की और भारतीय टीम को घमंडी बताया। यूसुफ ने मोहसिन नकवी के नाम का सहारा लेकर भारत के खिलाफ जहर उगलने का कोई मौका नहीं छोड़ा, जो कि उनकी पुरानी आदत रही है। ये वही मोहम्मद यूसुफ हैं, जिनका असली नाम यूसुफ योहाना था और वे ईसाई धर्म का पालन करते थे पर उन्होंने पाकिस्तान की कप्तानी पाने की चाहत में उन्होंने अपना धर्म तक बदल लिया था पर फिर भी उन्हें कप्तानी नहीं मिली।

खगौरा में स्वामित्व योजना शिविर का निरीक्षण, ग्रामीणों को समझाई रजिस्ट्री और अभिलेखीकरण की प्रक्रिया

प्रभारी सचिव बीएस जामोद और कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा, अधिकारियों ने भू-अधिकार पत्र धारकों को दिया डेमो

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन- 2026 योजना का चरणबद्ध क्रियान्वयन 17 सितंबर से शुरू हो गया है। योजना के तहत जिले की प्रत्येक पंचायत में निर्धारित तिथियों के अनुसार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रभारी सचिव एवं प्रदेश स्तरीय नोडल अधिकारी बीएस जामोद तथा सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने रमपुर बहेलान तहसील के ग्राम खगौरा में आयोजित स्वामित्व योजना शिविर का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शिविर में पहुंचने वाले ग्रामीणों को दी जा रही सुविधाओं और योजना के तहत की जा रही कार्रवाई की जानकारी ली। प्रभारी सचिव बीएस जामोद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वामित्व योजना के लाभ से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए और ग्रामीणों को किसी प्रकार की पेेशानी न हो शिविर में एसडीएम सदीप



श्रीवासत्व और तहसीलदार रमेश कोल ने ग्रामवासियों को स्वामित्व योजना के तहत प्राप्त भू-अधिकार पत्र के आधार पर भूमि की रजिस्ट्री और अभिलेखीकरण की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि योजना के तहत संबंधित भूमि के दस्तावेजों को व्यवस्थित रूप से अभिलेखों में दर्ज करने के साथ आवश्यक पंजीयन

प्रक्रिया पूरी की जा रही है इस दौरान ग्रामीणों को पूरी प्रक्रिया समझाने के लिए डेमो भी प्रस्तुत किया गया। इसमें भू-अधिकार पत्र धारकों को रजिस्ट्री से संबंधित प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और अभिलेखीकरण की कार्यवाही के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे निर्धारित तिथि पर शिविर में पहुंचकर अपने भूमि संबंधी दस्तावेजों

की प्रक्रिया पूरी कराएं स्वामित्व योजना के तहत पंचायत स्तर पर आयोजित किए जा रहे इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में भूमि एवं संपत्ति से संबंधित अधिकारों को अभिलेखों में दर्ज करना तथा पात्र हितधारियों को उनके स्वामित्व संबंधी दस्तावेज उपलब्ध करना है। इसके माध्यम से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति के संबंध में अधिक स्पष्ट और



व्यवस्थित अभिलेख प्राप्त होंगे प्रभारी सचिव और कलेक्टर ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से योजना के क्रियान्वयन की प्रगति की जानकारी भी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों में अधिक से अधिक ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए और उन्हें प्रक्रिया की जानकारी सस्ल भाषा

में उपलब्ध कराई जाए जिले में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 की शुरुआत के साथ अब निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अन्य पंचायतों में भी शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों के भूमि अधिकार संबंधी अभिलेखों के निष्पादन और पंजीयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

अहस्तांतरणीय भूमि के नामांतरण पर उठे सवाल, आदेश सार्वजनिक करने की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अखिल भारतीय किसान कर्षस के राष्ट्रीय सचिव आशुतोष द्विवेदी ने सतना जिले की मझगांव तहसील अंतर्गत बरौथा उपतहसील में कथित रूप से अहस्तांतरणीय दर्ज भूमि के नामांतरण के मामले को लेकर शासन-प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि यदि शासन स्तर से नायब तहसीलदारों को ऐसी भूमि के नामांतरण का अधिकार दिया गया है तो संबंधित आदेश सार्वजनिक किया जाए द्विवेदी के अनुसार ग्राम पुजेरिया, पटवारी हल्वा खोही की आगजी नंबर 61/2, रकबा 0.3120 हेक्टेयर तथा आगजी नंबर 62, रकबा 0.5670 हेक्टेयर, कुल 0.8790 हेक्टेयर भूमि मूल रूप से मरिया पिता बिदुरिया के नाम दर्ज थी उनके दावे के मुताबिक वर्ष 2022-23 और 2023-24 के राजस्व अभिलेखों में भूमि के संबंध में 'अहस्तांतरणीय' होने की टिप दर्ज थी उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद नायब तहसीलदार वृत्त बरौथा सुदामा प्रसाद कोल द्वारा प्रकरण क्रमांक 0518/अ-6/2023-24 में 10 फरवरी 2026 की आदेश पारित करते हुए पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर शिवचन्द्र पाल के नाम



नामांतरण स्वीकृत किया गया। इसके बाद वर्ष 2026-27 के खसरे में शिवचन्द्र पाल का नाम दर्ज होने का दावा किया गया है द्विवेदी ने मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता के प्रवधानों का हवाला देते हुए कहा कि यदि संबंधित भूमि वास्तव में अहस्तांतरणीय श्रेणी में दर्ज थी, तो उसके हस्तांतरण और नामांतरण की जांच आवश्यक है उन्होंने धारा 165 सहित संबंधित प्रवधानों के अनुपालन पर भी सवाल उठाए हैं उन्होंने मुख्यमंत्री से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने और संबंधित राजस्व अभिलेख व आदेशों की समीक्षा करने की मांग की द्विवेदी ने कहा कि यदि नायब तहसीलदार को अहस्तांतरणीय भूमि के नामांतरण का कोई विशेष अधिकार या शासनादेश प्राप्त है तो उसे सार्वजनिक किया जाए। वहीं, यदि ऐसा कोई अधिकार नहीं है तो नियमानुसार जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाए।

सतना-चित्रकूट मार्ग पर नवनिर्मित पुलिया बनी परेशानी, कीचड़ में तब्दील डायवर्शन से लग रहा जाम

कोठी के कमलों गांव के पास बदहाल मार्ग में धंस रहे वाहन, आश्वासन के बाद भी नहीं हुआ सुधार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना-चित्रकूट मार्ग पर कोठी के कमलों गांव के समीप नवनिर्मित नहर की पुलिया और बदहाल डायवर्शन मार्ग के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई गई पुलिया के निर्माण के बाद यहां यातायात व्यवस्था लगातार प्रभावित बताई जा रही है डायवर्शन मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ होने के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश के बाद डायवर्शन मार्ग की स्थिति और खराब हो गई है मार्ग पर जगह-जगह गड्ढों में पानी और कीचड़ जमा होने से दोपहिया तथा चारपहिया वाहन फंस रहे हैं वहीं पुलिया के ऊपर से गुजरते समय भी वाहनों को परेशानी हो रही है। इसके चलते सतना-चित्रकूट मार्ग पर कई बार वाहनों की लंबी कतार लगी रही



है और यातायात बाधित हो रहा है बीते दिनों मार्ग की बदहाल स्थिति से नायब राहगीरों ने सड़क पर जाम लगा दिया था सूचना मिलने पर एसडीएम रघुजनगर (ग्रामीण) एलआर जांगड़े

और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्री अजय सिंह परिहार मौके पर पहुंचे थे अधिकारियों ने मार्ग की स्थिति में तत्काल सुधार करने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया था राहगीरों का कहना है कि आश्वासन के बावजूद अब तक डायवर्शन मार्ग में अपेक्षित सुधार कार्य नहीं करया गया है लगातार बारिश के कारण मार्ग कीचड़ में तब्दील हो गया है और गड्ढों के कारण वाहन चालकों को जोखिम उठकर निकलना पड़ रहा है बड़े वाहनों के निकलने के दौरान यातायात की रफ्तार और धीमी हो जाती है, जिससे जाम की स्थिति बन रही है स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से डायवर्शन मार्ग को जल्द दुरुस्त करने, गड्ढों को भरने और आवागमन सुचारु करने की मांग की है, ताकि सतना-चित्रकूट मार्ग पर यात्रियों और वाहन चालकों को रहत मिल सके।

रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण कार्य : कलेक्टर मुखर्जी

सिविल अस्पताल मैहर में शिविर के साथ सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत, एसपी अवधेश प्रताप सिंह ने किया रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले में सेवा और जनसहभागिता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत गुरुवार को सिविल अस्पताल मैहर में आयोजित रक्तदान शिविर के साथ हुई शिविर में कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी शामिल हुईं और रक्तदाताओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने स्वयं रक्तदान कर नागरिकों को इस मानवीय कार्य के लिए प्रेरित किया कलेक्टर मुखर्जी ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों के



जीवन की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने शिविर में रक्तदान करने वाले नागरिकों की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक स्वस्थ एवं

पात्र व्यक्ति को स्वेच्छ से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए कलेक्टर ने रक्तदाताओं से बातचीत कर उनके अनुभव भी जाने उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जिले में जनसेवा, सामाजिक सहभागिता और जरूरतमंदों की सहायता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी अभियान का उद्देश्य नागरिकों में सेवा भाव को प्रोत्साहित करना और अधिक से अधिक लोगों को जनकल्याणकारी गतिविधियों से जोड़ना है सिविल अस्पताल में आयोजित शिविर में जनप्रतिनिधियों अधिकारियों कर्मचारियों युवाओं और

नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रक्तदाताओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच के साथ रक्त संग्रह की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की कि स्वस्थ एवं पात्र व्यक्ति स्वेच्छ से रक्तदान करें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि सेवा का प्रत्येक छोटा प्रयास किसी जरूरतमंद के लिए बड़ी मदद साबित हो सकता है सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में आगे भी जनसहभागिता आधारित विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

दिव्यांग सेवा एवं श्रमिक सम्मेलन 19 सितंबर को बीटीआई मैदान में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत दिव्यांगजनों एवं श्रमिकों की सेवा और सहायता के उद्देश्य से दिव्यांग सेवा एवं श्रमिक सम्मेलन का आयोजन 19 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे से सतना के बी.टी.आई. मैदान रीवा रोड में किया जाएगा दिव्यांग सेवा एवं श्रमिक सम्मेलन का आयोजन उत्थान सेवा फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है आयोजक क्रम में बताया कि 17 सितंबर 2026 से प्रारंभ हो रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत यह वृहद सेवा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है इस वृहद सेवा कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के लिए सेवा एवं सहायता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी कार्यक्रम में ऑपल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, अनुपमा एजुकेशन सोसायटी सतना तथा श्री भगवान महावीर विकरांग सहायता समिति

जयपुर का सहयोग दिया जा रहा है कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री प्रहलाद पटेल मुख्य अतिथि होंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता सांसद सतना और अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष श्री गणेश सिंह करेंगे विशिष्ट अतिथियों में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, नागोद विधायक नागेंद्र सिंह, चित्रकूट विधायक सुप्रन्द सिंह गहलवार, रामपुर बाधेलान विधायक विक्रम सिंह, विन्ध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष संजय तीर्थवानी, नगर पालिक निगम सतना अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, ओएनजीसी दिल्ली के महाप्रबंधक नीरज बंसल तथा अनुपमा एजुकेशन सोसायटी की सचिव श्रीमती शैला-प्रमोद तिवारी भी उपस्थित रहेंगी।

सेवा संकल्प अभियान में महापौर योगेश ताम्रकार ने किया रक्तदान जिला अस्पताल में आयोजित शिविर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला अस्पताल सतना में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए लोगों को प्रेरित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी रक्तदान किया रक्तदान शिविर में जनप्रतिनिधियों,

पाटी पदाधिकारियों, अधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रत्येक स्वस्थ एवं पात्र व्यक्ति को समय-समय पर स्वेच्छ से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए शिविर में रक्तदान करने वाले कार्यकर्ताओं और

नागरिकों का उत्साहवर्धन किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रक्तदाताओं की आवश्यक जांच के बाद रक्त संग्रह की व्यवस्था की। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान से एक जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर सहायता मिल सकती है, इसलिए अधिक से अधिक लोगों को इस जनसेवा से जुड़ना चाहिए कार्यक्रम में संभागीय प्रभारी विजय दुबे, राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, भाजपा

जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पांडे, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं अधिकारी मौजूद रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में जनसेवा और सामाजिक सहभागिता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। रक्तदान शिविर के माध्यम से कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने जरूरतमंदों की मदद के लिए अपना योगदान देने का संकल्प लिया।



कार में छिपाकर ले जा रहे थे 63 लीटर अवैध शराब, सतना में आरोपी गिरफ्तार

बचवई मोड़ पर आबकारी टीम ने पकड़ी 350 पाव देशी शराब; कार समेत 4.27 लाख रुपए का सामान जब्त



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के

खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने गुरुवार सुबह कार्रवाई करते हुए एक कार से बड़ी

मात्रा में देशी शराब जब्त की। टीम ने बचवई मोड़ के पास संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली। कार से 63 बल्क लीटर देशी शराब बरामद हुई। मामले में कार चालक दीपेंद्र जायसवाल को गिरफ्तार कर वाहन भी जब्त कर लिया गया है आबकारी विभाग की टीम ने बचवई मोड़ के पास सफेद रंग की

मारुति स्विफ्ट कार क्रमांक MP 17 CD 0612 को रोककर प्लेन और 50 पाव देशी मसाला शराब शामिल है विभाग ने जब्त शराब की कीमत करीब 27 हजार 750 रुपए आंकी है। शराब के परिवहन में इस्तेमाल की जा रही

कार की अनुमानित कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई गई है इस तरह आबकारी विभाग ने शराब और वाहन सहित कुल 4 लाख 27 हजार 750 रुपए का सामान जब्त किया है।

आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई: मामले में आबकारी विभाग ने आरोपी दीपेंद्र जायसवाल के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) और 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद अब शराब के स्रोत और उसके संभावित खरीदारों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है जांच के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि इतनी मात्रा में शराब आरोपी कहाँ से लेकर आया था और इसे सतना या

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से अधिकारी तक, सबकी सेवा संबंधी समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आयुक्त महिला एवं बाल विकास सदीप जी.आर. ने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। उनके निर्देशानुसार अब संभाग एवं जिला स्तर पर प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक नियमित समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। शिविरों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका से लेकर जिला स्तर के अधिकारी-कर्मचारी तक अपनी सेवा संबंधी समस्याएं आरंभ और अंत तक प्रस्तुत कर सकेंगे। नियुक्ति, समयमान वेतनमान, पदोन्नति, अनुपका निष्पत्ति, सेवानिवृत्ति उपरंत पेंशन तथा अन्य देय स्वत्वों

से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई कर नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक प्राप्त प्रकरण का अभिलेख भी संभारित किया जाएगा, जिससे उसके निराकरण की नियमित निगरानी की जा सके आयुक्त सदीप जी.आर. ने कर्मचारियों को उनके अधिकारों एवं देय स्वत्वों के लिए अनिवार्य कार्रवाई से बचाने के साथ ही विभागीय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने पर जोर दिया है। इसी क्रम में कर्मचारियों के केंद्र का भुगतान प्रत्येक माह की पहली तारीख को सुनिश्चित करने तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के मानदेय के विवरणों का समय पर भुगतान करने के निर्देश भी दिए गए हैं।